● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 153, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार, 11 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

योगी ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशेष पूजन 5

भारत ने इंग्लैण्ड से जीती महिला टी-20 सीरीज 6

सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केन्द्र बनकर उभरे : डॉ. यादव

गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगार परक शिक्षा ही देश की मजबूती का आधार

मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव में गुरुजनों का किया सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण और रोजगार परक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। बेहतर शिक्षा के बूते ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुबंकम की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुभकामानाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के विद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन विकास के लिए 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु की संज्ञा दी गई है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरण के 2 दिवसीय अभियान का शुभारंभ करते हुए 50 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने एक धुन में साइकिल की घंटी बजाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। अभियान के पहले दिन विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों को 4 लाख 30 हजार साइकिलें बांटी गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गुरुजनों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षक श्री मनोज सोहनी, श्री देवेंद्र बंसल, डॉ. एस.के. पाल, श्री मनोज कौशल, श्री सुरीत दास बनोथे, श्रीमती शुभांगी नामड़े, श्रीमती सारिका शर्मा, श्रीमती वंदना रामचंदानी, श्री योगेश विश्नोई और श्रीमती बख्तौर खान को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

बिहार-झारखंड-ओडिशा काफी हद तक नक्सल मुक्त : गृह मंत्री

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को झारखंड की राजधानी रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की। शाह ने कहा, नक्सलवाद के विरुद्ध सभी राज्यों की एकजुटता और सुरक्षा बलों की बहादुरी से हमें अभूतपूर्व सफलता मिली है। हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर के रहेंगे। बिहार, झारखंड और ओडिशा काफी हद तक नक्सलवाद से मुक्त हो गए हैं। बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पश्चिम बंगाल की वित्त राज्य मंत्री सुश्री चंद्रिमा भट्टाचार्य सहित सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद में बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल हैं। यह बैठक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन अंतर राज्य परिषद सचिवालय द्वारा झारखंड सरकार के सहयोग से आयोजित की गई।

शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेनाओं ने अपनी वीरता, सटीकता और जांबाजी का अनुभव पूरी दुनिया को कराया है। उनके साहस और पराक्रम के लिए पूर्वी क्षेत्रीय परिषद सेनाओं की वीरता के लिए सर्वसम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित करती है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड की भूमि का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस भूमि से भगवान बिरसा मुंडा सहित कई महान स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आज़ादी के आंदोलनों का नेतृत्व किया है। पूरा पूर्वी भारत भक्ति, ज्ञान, संगीत, वैज्ञानिक अनुसंधान और क्रांति की भूमि रहा है। शिक्षा के मूल आदर्श स्थापित करने में पूर्वी भारत का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनाएंगे नई टीम

प्रदेश के समर्पित कार्यकर्ताओं को मिलेगा मौका

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल की प्रक्रिया तेज हो गई है। हाल ही में प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किए गए हेमंत खंडेलवाल को पार्टी नेतृत्व ने अपनी नई कार्यकारिणी गठित करने की पूरी अनुमति दे दी है। वे प्रदेशभर से अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं को शामिल कर एक नई टीम तैयार करेंगे। जानकारी के अनुसार पार्टी की नीति एक व्यक्ति, एक पद के तहत वर्तमान कार्यकारिणी में शामिल सांसदों, मंत्रियों और विधायकों को संगठनात्मक दायित्वों से मुक्त किया जाएगा। इस समय पार्टी की प्रदेश इकाई में सात सांसद, एक कैबिनेट मंत्री और छह विधायक विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

पार्टी की रणनीति है कि संगठन के कार्यों को पूर्णकालिक रूप से निभाने वाले ऐसे कार्यकर्ताओं को आगे लाया जाए, जिनकी जमीनी पकड़ मजबूत है और जो संगठनात्मक कामकाज में सक्रिय हैं। इसी के तहत अब नए और कम चर्चित लेकिन प्रभावी चेहरों को प्रदेश टीम में स्थान मिल सकता है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि नई कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं और सामाजिक दृष्टि से विविध प्रतिनिधित्व पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भाजपा के सात मोर्चा संगठनों में से तीन की कमान वर्तमान में सांसदों के पास है और एक मोर्चा कैबिनेट मंत्री के जिम्मे है। सांसद बनने के बाद इन नेताओं की व्यस्तता बढ़ गई है, जिससे मोर्चों के कामकाज पर असर पड़ा है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष माया नारोलिया राज्यसभा सांसद बनने के बाद से सीमित सक्रियता में हैं। किसान मोर्चा के दर्शन चौधरी सांसद बन चुके हैं और ओबीसी मोर्चा के प्रमुख अब प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। खुद मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मोर्चे की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध पार्टी से कर दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हाल ही में दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

शशि थरूर ने अब आपातकाल पर कांग्रेस को घेरा

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस को आपातकाल को लेकर घेरा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में अनुशासन और व्यवस्था के नाम पर क्रूरता की गई। आपातकाल को भारत के इतिहास का महज काला अध्याय नहीं मानना चाहिए, बल्कि इसके सबक को पूरी तरह से समझना जरूरी है। उन्होंने आपातकाल में इंदिरा गांधी और संजय गांधी के कामों को लेकर सवाल उठाए। एक मलयालम अखबार में प्रकाशित लेख में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 25 जून 1975 और 21 मार्च 1977 के बीच प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के काले युग को याद किया।

भारत पोस्ट के पास दुनिया बदलने की ताकत

ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले-अब ग्लोबल लीडर बनना लक्ष्य

बंगलूरू। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारत पोस्ट की ताकत और उसके भविष्य को लेकर एक बड़ी बात कही है। बेंगलुरु में आयोजित 'ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि भारत पोस्ट जैसा कोई दूसरा वितरण नेटवर्क पूरी दुनिया में नहीं है। उन्होंने डाक विभाग के कर्मचारियों से अपील की कि वे भारत पोस्ट को विश्व की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स संस्था बनाने की दिशा में काम करें।

सिंधिया ने कहा कि आज भारत पोस्ट के पास पूरे देश में 1.64 लाख से ज्यादा सेवा केंद्र हैं, जो कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और भरूच से लेकर तवांग तक फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी गहरी और व्यापक पहुंच किसी और संस्था के पास नहीं है। यह नेटवर्क देश के हर कोने तक लोगों और सेवाओं को जोड़ता है, जो भारत की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। उन्होंने बताया कि डाकघर अब आधुनिक हो रहे हैं। हाथ में पकड़े जाने वाले डिजिटल उपकरण और 'दर्पण' जैसी तकनीकें डाक विभाग में आ चुकी हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ तकनीक से बदलाव नहीं होगा, जब तक कि कर्मचारियों का काम करने का तरीका नहीं बदलेगा। असली बदलाव कर्मचारियों की सोच और कार्यशैली में नयापन लाने से ही आएगा। सिंधिया ने डाक कर्मचारियों से कहा कि वे सिर्फ सरकारी सेवा को काम की तरह न लें, बल्कि इसे देश के निर्माण में योगदान के रूप में देखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक देश की रीढ़ हैं जो सबसे दूर-दराज इलाकों में भी सेवाएं पहुंचाते हैं।

नि:शुल्क साइकिल प्राप्त होने पर विद्यार्थियों ने दिया मुख्यमंत्री को धन्यवाद

भोपाल। शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल में आयोजित निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में जब विद्यार्थियों को साइकिलें प्राप्त हुईं, तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। नि:शुल्क साइकिल प्राप्त होने पर वे अत्यंत प्रसन्न हैं और इसके लिए म.प्र. शासन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टीलाखेड़ी की कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी रिया भारती ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, अब हमें स्कूल समय पर पहुंचने में आसानी होगी। धन्यवाद मुख्यमंत्री जी।

वडोदरा पुल हादसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 15, तीन अभी भी लापता

नई दिल्ली। गुजरात में वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटने के बाद अब तक महिसागर नदी से 15 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से दो शव गुरुवार को नदी से निकाले गए हैं। जबकि 13 शव बुधवार को ही निकाल लिए गए थे। इस हादसे में एक ही परिवार के कई सदस्यों की जान चली गई है। अब इस हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 15 हो गया है। वडोदरा के कलेक्टर अनिल धमेलिया ने बताया कि कम से कम तीन लोग अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नदी में जीवित बचे लोगों या पीड़ितों के शवों की तलाश कर रही हैं। धमेलिया ने कहा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नदी में 4 किलोमीटर नीचे तक तलाशी अभियान चला रही हैं। हमारे पास उपलब्ध सूची के अनुसार, अब तक 15 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि तीन लोग अभी भी लापता हैं। लोग अन्य लापता लोगों के बारे में हमें सूचित करने के लिए हमारे नियंत्रण कक्ष पर कॉल कर सकते हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में घटी मौतें, बढ़ी राहत क्षमता : पीके

बंगलूरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि आपदा प्रबंधन में मजबूत वित्तीय तंत्र, संस्थागत विकास और क्षमता निर्माण में निवेश से बेहतर नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की विकसित होती आपदा जोखिम प्रबंधन प्रणाली के चलते आपदा-संबंधी मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। यह आपदा प्रबंधन तंत्र की सबसे अहम उपलब्धियों में से एक है।

डॉ. मिश्रा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (सीपीपी) के रजत जयंती स्थापना दिवस के अवसर पर इस बात पर जोर दिया कि बेहतर पूर्व-चेतावनी प्रणालियों और सशक्त आपदा प्रबंधन से प्राकृतिक त्रासदी और अन्य खतरों के समय मृत्यु दर में लगातार गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा कि यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के तहत मूल प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारत इस प्रारूप के हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल है।

उन्होंने इस मौके पर इस तथ्य का भी उल्लेख किया कि कैसे एक व्यापक दृष्टिकोण के चलते गुजरात भूकंप राहत कार्यक्रम ने देश की आपदा प्रबंधन प्रणाली को बदलने में मदद की। मिश्रा ने, गुजरात से म्यांमार तक पिछले 25 वर्षों में भारत की आपदा प्रबंधन नीति और कार्यप्रणाली का विकास, विषय पर व्याख्यान के दौरान यह बात कही। एजेंसी

आपदा प्रबंधन को लेकर गुजरात पहल का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) की ओर से उठाए गए कदमों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जीएसडीएमए के ये प्रयास सहायता और राहत से कहीं आगे बढ़कर थे।

दिल्ली-एनसीआर में जमकर बरसे बदरा

जलभराव और जाम से लोग परेशान

नई दिल्ली। बुधवार को नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद समेत दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में भारी बारिश देखने को मिली। राजधानी में बुधवार शाम को आई मानसून की पहली मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में जलभराव व जाम के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम की खामियों को फिर से उजागर कर दिया। नालों और सीवरों के ओवरफ्लो होने से कई रिहायशी इलाकों में घरों में भी पानी भर गया। कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। व्यस्त समय में दफ्तर से घर जा रहे लोग सुरक्षित जगहों पर रुककर बारिश के थमने का इंतजार करते दिखे। यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। आज सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं, दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, शाम 5:30 बजे से रात 8:30 बजे तक नजफगढ़ में 60, प्रगति मैदान में 38, पूसा में 30.5 पालम में 14.4, मुंगेशपुर में 7, जनकपुरी में 4 और सफदरजंग मानक वेधशाला में 1.4 एमएम बारिश दर्ज की गई।

सत्ता में कोई साझेदारी नहीं, मैं ही सीएम रहूंगा : सिद्धारमैया

बंगलूरू। कर्नाटक नेतृत्व को लेकर ऊहापोह की स्थिति के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और उन्होंने दावा किया कि उनके और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता में साझेदारी का कोई समझौता नहीं हुआ है। गौरतलब है कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, दोनों ही नेता दिल्ली में हैं, जहां वे राहुल गांधी समेत कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के दिल्ली में होने के बाद कर्नाटक में फिर से नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा शुरू हो गई। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने स्वीकार किया कि शिवकुमार भी मुख्यमंत्री पद चाहते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन शिवकुमार ने खुद स्पष्ट किया है कि सीएम का पद फिलहाल खाली नहीं है।

ममता सरकार ने सीलबंद लिफाफे में हाईकोर्ट को सौंपी जांच रिपोर्ट

लॉ कॉलेज सामूहिक दुष्कर्म मामले में सुनवाई

कोलकाता। दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता हाईकोर्ट को जांच की प्रगति रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट कोलकाता पुलिस की तरफ से की जा रही जांच के आधार पर दी गई है और इसे सीलबंद लिफाफे में अदालत को सौंपा गया।

न्यायमूर्ति सौमेंद्र सेन और न्यायमूर्ति स्मिता दास डे की खंडपीठ ने पुलिस की केस डायरी को भी देखा और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे चार सप्ताह बाद जांच में हुई आगे की प्रगति की नई रिपोर्ट पेश करें। मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। इस मामले में अदालत ने कहा कि पीड़िता के परिवार के वकील को रिपोर्ट की एक प्रति दी जा सकती है, लेकिन इसकी जानकारी सार्वजनिक न की जाए।

इससे पहले 3 जुलाई को कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह जांच की प्रगति को हलफनामे के रूप में पेश करे और केस डायरी भी कोर्ट के समक्ष रखे। इस मामले में अब तक तीन जनहित याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। याचिकाकर्ताओं ने इस चौंकाने वाली घटना पर सवाल उठाते हुए कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं, जिन पर कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

आधार, राशन और वोटर कार्ड शामिल करने पर विचार करे चुनाव आयोग

बिहार मतदाता सूची संशोधन पर सुप्रीम आदेश

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। लंबी बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए कि वह पुनरीक्षण के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड को शामिल करने पर विचार करे। साथ ही तीन मुद्दों पर जवाब दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 28 जुलाई तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि हम सांविधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकर्ताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग से तीन मुद्दों पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अदालत के समक्ष जो मुद्दा है वह लोकतंत्र की जड़ और मतदान के अधिकार से जुड़ा है।

याचिकाकर्ता न केवल चुनाव आयोग के मतदान कराने के अधिकार को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि इसकी प्रक्रिया और समय को भी चुनौती दे रहे हैं। इन तीन मुद्दों पर जवाब देने की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि आप इस प्रक्रिया को नवंबर में होने वाले चुनाव से क्यों जोड़ रहे हैं? यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो पूरे देश के चुनाव से स्वतंत्र हो सकती है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग एक सांविधानिक संस्था है जिसका मतदाताओं से सीधा संबंध है और अगर मतदाता ही नहीं होंगे तो हमारा अस्तित्व ही नहीं है। आयोग किसी को भी मतदाता सूची से बाहर करने का न तो इरादा रखता है और न ही कर सकता है, जब तक कि आयोग को क़ानून के प्रावधानों द्वारा ऐसा करने के लिए बाध्य न किया जाए। हम धर्म, जाति आदि के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकते। मतदाता सत्यापन के लिए जरूरी दस्तावेजों से आधार कार्ड को बाहर रखने पर चुनाव आयोग ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि आप मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में नागरिकता के मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं? यह गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है। अगर आपको पुनरीक्षण के जरिये नागरिकता की जांच करनी थी तो आपको यह पहले करना चाहिए था।

नगर निगम आयुक्त ने किया निगम के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण

वार्डो की खराब सड़को की दो दिवस में मरम्मत कराने के दिए निर्देश

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के आयुक्त द्वारा आज प्रात: नगर निगम के विभिन्न वार्डो का निरीक्षण कर वार्डो की नाले नालियो की साफ सफाई वार्डो की सड़को का अवलोकन किया गया ।निगमायुक्त ने वार्ड नवजीवन विहार सेक्टर नम्बर 3 में पहुचकर नालियो की सफाई की स्थिति का अवलोकन किया एवं उपस्थित स्वच्छता निरीक्षक को निर्देश दिए कि नालियो की समुचित साफ सफाई कराये कही पर भी जल भराव जैसी स्थिति की शिकायत नही मिलनी चाहिए। उन्होने कलवर्ट का निर्माण करने का निर्देश दिया ताकि पानी निकासी सही से हो सके। उन्होने स्वच्छता निरीक्षक को निर्देश दिए कि कही पर भी नाली जाम य जल भराव की स्थिति निर्मित होती है तो तत्काल संबंधित उपयंत्री को अवगत कराये। उन्होने वार्ड की सड़को का अवलोन क्षतिग्रस्त सड़को की मरम्मत कराने के निर्देश दिए

ताकि आम लागो के आवागमन में किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए।

निगमायुक्त के द्वारा वॉर्ड न 38 तुलसी ढोटी का वार्ड पार्षद अनिल कुमार वैश्य अपीलीय समिति सदस्य के साथ हनुमान मंदिर रोड का भ्रमण कर क्षतिग्रस्त सड़को का अवलोकन किया गया एवं उपस्थित संविदाकार को तत्काल क्षतिग्रस्त सड़क का मरम्मत कराने के निर्देश दिए ।उन्होने वार्ड वासियो को अवश्वासन दिया कि 10 दिवस में कायाकल्प-2 के तहत पीसीसी सड़क निर्माण कराया जायेगा। निगमायुक्त ने स्वाक्षता निरीक्षक को नालियो की साफ सफाई कराकर उनमें कीटनाशक दवाओ का छिड़काव कराने के भी निर्देश दिए। उन्होने वार्ड क्रमांक 29 का भ्रमण कर नालियो की बेहतर साफ सफाई कराने के साथ ही क्षतिग्रस्त सड़को का निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होने जल भराव वाले क्षेत्रो की नियमित निगरानी के भी निर्देश दिए।

तत्पश्चात सिंगरौली विधानसभा के विधायक श्री राम निवास शाह के साथ वार्ड क्रमांक 42 ट्रामा सेन्टर मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित उपयंत्री को सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सो में मुरूम डालवाने के निर्देश दिए। साथ निर्देश दिया गया कि आगामी दिनो में सड़क का पेंच वर्क भी कराया जाये। उन्होने डॉ. कालोनी में मुख्य मार्ग में बायो टायलेट लगवाने के निर्देश दिए कि ताकि बारिश के मौसम में आम जन इसका उपयोग कर सके। उन्होने शहर की सड़को में विचरण करने वाले आवारा मवेसियो को हटाने के लिए गठित दल को निर्देश दिए कि ताकि आवागमन सुगम बना रहे तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने से रोका जा सके। इस दौरान पार्षद सीमा जयसवाल, संतोष शाह,सहायक यंत्री एस.एन द्विवेदी, आलोक टीरू, उपयंत्री जीतेन्द्र कुमार, विष्णुपाल सिंह, इन्द्रवेश यादव, स्वच्छता निरीक्षक पवन बरोदे,विशाल सोनी सहित सफाई अमला उपस्थित रहा।

पत्रकारों ने एसपी से की मुलाकात, सीएसपी पर लगाए दुर्व्यवहार के आरोप

कई पत्रकारों ने मौके पर मौजूद सीएसपी के कार्यप्रणाली पर उठाया सवाल

सिंगरौली। जिले के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पत्रकारों का आज एक प्रतिनिधिमंडल आज दिन गुरूवार की दोपहर पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री से मुलाकात करते हुये सीएसपी पीएस परस्ते की कार्यप्रणाली और उनके द्वारा पत्रकारों के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को लेकर शिकायत की। पत्रकारों ने कड़े शब्दों में कहा है कि यदि अब किसी भी पत्रकार साथियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया तो पत्रकार अगला कदम उठाने के लिए विवश हो जाएंगे। इस दौरान एसपी ने आश्वस्त किया कोई भी पुलिस किसी भी मीडिया कर्मी के गलत बर्ताव नही करेगा। मौके पर सीएसपी भी मौजूद थे। पत्रकारों ने बताया कि कई बार प्रशासनिक सूचनाओं एवं घटनाओं की जानकारी लेने के दौरान सीएसपी का व्यवहार असहज और असम्मान जनक रहा है, जिससे पत्रकारों की गरिमा को ठेस पहुँची है। प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रकार के रवैये को प्रेस और पुलिस के बीच विश्वास की दीवार को कमजोर करने वाला बताया। इस संबंध में

एसपी मनीष खत्री ने पत्रकारों की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें विश्वास दिलाया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और पत्रकार दोनों ही समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और दोनों के बीच संवाद एवं समन्वय बना रहना आवश्यक है। एसपी ने कहा कि इस संबंध में आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में शांति, सुरक्षा और सूचना के आदान-प्रदान के लिए मीडिया एक सशक्त माध्यम है और उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। किसी भी घटना क्रम के बयान के लिए थाना प्रभारियों को आज पत्र जारी कर अवगत करा दिया जाएगा और घटना की जानकारी वही से मिल जाया करेगी। इस दौरान जिले के कई महत्वपूर्ण प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक तथा सोशल मीडिया के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इसके पूर्व पत्रकारों की एक अहम बैठक उच्च विश्राम गृह माजन मोड़ बैढ़न में आयोजित की गई। जहां सीएसपी पीएस परस्ते के द्वारा पत्रकारों के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को लेकर चर्चाएं करते हुये उनकी कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की और पत्रकारों ने कड़े शब्दों में कहा कि अधिकारियों का इस तरह का व्यवहार बर्दास्त से बाहर है। यदि अधिकारी अपनी कार्यशौली में सुधार नही करते हैं तो आगे आने वाले दिनों में कड़े कदम उठाने के लिए मजबूर हो जाएंगे। जिसका समर्थन सभी पत्रकारों ने एक स्वर से किया है।

इंडियन चिल्ड्रेन हायर सेकेंड्ररी स्कूल मे मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

सिंगरौली। इंडियन चिल्ड्रेन हायर सेकेंडरी स्कूल बैढ़न में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया और उसके साथ-साथ मां के नाम एक पौधा का भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यापार संघ मंडल के जिलाध्यक्ष राजाराम केसरी एवं विद्यालय के विकास समिति के अध्यक्ष, विद्यालय के डायरेक्टर जेबी गुप्ता, यश गुप्ता चंद्रकला अग्रहरि प्रधानाध्यापिका, अंजुला द्विवेदी, इला पांडे, कल्पना दुबे, सौंदर्य, लक्ष्मी सिंह, मुस्कान, तारा, बाबूराम, वीरेंद्र, राकेश, शालिनी सिंह, पूनम सिंह, प्रिया, पूर्णिमा, सावित्री, गीता वरिष्ट शिक्षिका (साउथ) तारा रोशनी,

ओमवती सिंह एवं निर्जला, सत्य वर्मा, जितेंद्र सिंह, शिवम जायसवाल, सत्यम जयसवाल एवं उनके साथी के द्वारा गुरु पूर्णिमा पर कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के बाद डायरेक्टर जेवी गुप्ता का जन्मदिन भी आज ही के दिन था इसके बाद केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। फिर विद्यालय के स्टाफ एवं छात्र आए हुए विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि के द्वारा कई प्रकार के वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। पेड़ लगाकर विद्यालय के व्यवस्थापक अपना जन्मदिन मनाया। अंत में बच्चों को मिष्ठान वितरण कर सभी बच्चों को गुरु पूर्णिमा के संबंध में उनको सही मार्ग एवं महत्व को समझाएं। वही राजाराम केसरी के द्वारा बच्चों को पौधा लगाने का महत्व को समझाएं और प्रत्येक जन्मदिन पर अपने एक पौधा अवश्य लगे। इस तरह का इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी में कार्यक्रम कराया गया। अंत में समापन के दौरान यश गुप्ता के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया जो इस कार्यक्रम को सफल बनाएं एवं धन्यवाद दिए।

जयन्त में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिंगरौली। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर केंद्रीय विद्यालय सीडब्ल्यूएस जयंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कांतदेव सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य भारतीय जनता पार्टी, सुंदरलाल शाह जिलाध्यक्ष भाजपा, देवेश पांडे- नगर निगम अध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम सुमिरन गुप्ता, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, जयंत मंडल अध्यक्ष संदीप झा की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय परिसर में लगी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, तत्पश्चात अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ

मिलकर विद्यालय परिसर मे मुख्य अतिथि ने वृक्षारोपण किया । वृक्षारोपण के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य मुकेश सिंह भदौरिया द्वारा अतिथियों का औपचारिक स्वागत हरित-पादप प्रदान कर किया गया । इसके बाद विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।विद्यालय प्राचार्य ने अपने स्वागत वक्तव्य में समस्त अतिथियों का अभिनंदन किया एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान को प्रधानमंत्री के दूरगामी विजन का स्वरूप बताया। प्राचार्य महोदय ने वृक्षारोपण को पर्यावरणीय सुरक्षा की पहल ही नहीं बल्कि वैश्विक समृद्धि हेतु एक अतुलनीय योगदान की संज्ञा दी। उन्होंने मां और धरती को एक दूसरे का पूरक बताते हुए इस अभियान का हिस्सा बनने एवं मां के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बनाने पर जोर दिया । इस अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांतदेव सिंह ने इसे वैश्विक अभियान बताते हुए एक पेड़ हमारे जीवन में कितना उपयोगी होता है उसके बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की । वृक्षारोपण के इस मुहिम को उन्होंने जन सामान्य की जिम्मेदारी बताते हुए पौधे के संपूर्ण देखरेख को हम सबका नैतिक कर्तव्य बताया ।

मुख्य अतिथि के अतिरिक्त इस अभियान में सम्मिलित भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने भारत सरकार के इस अभियान के उद्देश्य और हम सबकी जिम्मेदारी के बारे में कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बहुमूल्य उपहार होगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि प्रत्येक मनुष्य वृक्षारोपण करने और उस वृक्ष की सुरक्षा अपने जीवन के उद्देश्य में सम्मिलित करे तो यह हमारी आने वाली परिपाटी की नियति बन जायेगी और धरती माता सदा हरियाली की चादर से ढ़की रहेगी और पर्यावरण सुरक्षा की चिंता ही समाप्त हो जायेगी, हमें केवल अपने इस अभियान को निरंतर जारी रखना है।

समस्त सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति में इस वर्ष दसवीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यालय के मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया गया तथा गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों को शाल व श्रीफल प्रदान कर उनके प्रति भी अतिथियों द्वारा आभार भी प्रकट किया गया।

चितरंगी में आयोजित हुआ बीएलओ का विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण

सिंगरौली। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देश के परिपालन में एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला के निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावली को त्रुटि रहित बनाने के

लिए विधानसभा क्षेत्र 79 चितरंगी के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यानलय में बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी बी.एल.ओ. द्वारा रोल प्ले एवं अन्य गतिविधियों द्वारा सरल व सहज तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा फॉर्म 6,7,8 को सही तरीके से भरने,फील्ड में आने वाली समस्याओं,ऑनलाइन ऐप के माध्यम से फॉर्म भरने आदि से संबंधित गतिविधियों में भाग लेते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया । प्रशिक्षण के अंत में सभी का ऑनलाइन टेस्ट लिया गया । प्रशिक्षण में संबंधित क्षेत्रो के बूथ लेवल अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

करंट से नौढिया गांव में एक गाय की मौत, मामला दर्ज

सिंगरौली। झटका लगाने को लेकर कलेक्टर सिंगरौली ने प्रतिबंध लगाया है कि कहीं भी जिले में झटका करंट नहीं लगाया जाएगा। इसके बावजूद जिले भर में झटका तार खेतों के आसपास लगाए गए हैं। ऐसा ही मामला सरई थाना क्षेत्र के नौढिया गांव में देखने को मिला है। जहां झटका करंट से एक गाय की मौत हो गई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर सरई पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है लेकिन अभी तक आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पीड़िता सुनीता पांडे पति स्वर्गीय रामकमल पांडे उम्र 38 वर्ष निवासी नौढिया ने सरई थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि बीते 26 जून को तकरीबन 4 बजे मेरी गाय आरोपी रामसेवक शर्मा निवासी नौढिया के खेत के पास चरने गई हुई थी। खेतों के चारों ओर फसल की रखवाली के लिए करंट से कनेक्ट करके झटका तार लगाया गया था। जिससे गाय झटका तार के चपेट में आ गई। और उसकी मौत हो गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मेरी गाय गर्भवती थी। 15 दिन बाद बच्चा देने वाली थी।

5 दिन से लापता पुष्पेंद्र का नहीं लगा सुराग

सरई पुलिस जंगल,पहाड़ मे भी की सर्चिंग, गोताखोरों ने गोरा गांव के तालाब मे भी किया तलाश

सिंगरौली। जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत गोरा गांव में एक 23 वर्षीय युवक पुष्पेंद्र साहू घर से 5 दिन से लापता है। घर से तकरीबन 1 किलोमीटर दूर युवक का मोबाइल और चप्पल मिला है पुलिस को सूचना मिलने के बाद सरई

पुलिस 5 दिन से लगातार युवक की तलाश में जुटी है लेकिन अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। आज दिन गुरुवार को पुलिस आसपास के जंगल और पहाड़ों में भी लगातार सर्चिंग अभियान चलाया और गौरा गांव के तालाब में भी गोताखोरों के माध्यम से तलाश की गई इसके बावजूद पुलिस के हाथ अभी खाली है।

इधर बता दे की तकरीबन 5 दिन पूर्व पुष्पेंद्र साहू उम्र 23 वर्ष निवासी गोरा अपने घर से पाही पर सोने गया था। सुबह जब घर नहीं पहुंचा तो घर वाले पाही पर आए तो देखा कि पुष्पेंद्र पाही पर भी नहीं था काफी खोजबीन की लेकिन इसके बावजूद उसका कहीं रहता पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस भी अपने तरीके से काफी प्रयास किया लेकिन पुलिस के भी हाथ खाली हैं ।पुष्पेंद्र साहू के लापता होने की घटना ने गोरा गांव में सनसनी फैला दी है। वह 23 वर्षीय युवक है और पांच दिनों से लापता है। उसका मोबाइल और चप्पल घर से एक किलोमीटर दूर मिला है, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और ग्रामीण लगातार तलाश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। इधर बता दे की पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण किया है। गोताखोर की टीम गोरा गांव के आसपास जंगल, पहाड़ और नदी, तालाबों में तलाश कर रही है ।पुलिस अभी तक युवक का पता नहीं लगा पाई है, लेकिन जांच जारी है। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी में ही किसी के साथ पूर्व में झगड़ा विवाद हुआ था और आज वह घटना को अंजाम दिया है। इस घटना ने पूरे गांव क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। ग्रामीण लगातार पुलिस प्रशासन के साथ तलाश में जुटी हुए हैं।

आदर्श महाविद्यालय रम्पा में गुरु पूर्णिमा उत्सव और दीक्षारम्भ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिंगरौली। स्थानीय शास. आदर्श महाविद्यालय रम्पा में 10 जुलाई 2025 को गुरु पूर्णिमा उत्सव और दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में छात्र-छात्राओं एवं मुख्य अतिथियों का आगमन हुआ, उदघाटन समारोह दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित मुख्य अतिथि एवम महाविद्यालय के सभी स्टाफ एवम उपस्थित विद्यार्थियों के द्वारा दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती के प्रतिमा में धूप, दीप माल्यार्पण के साथ हुआ, कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि के द्वारा गुरु शिष्य परंपरा के संबंध में प्राचीन भारत की संस्कृति के संबंध में विचार साझा किए तथा साथ ही वर्तमान शिक्षा पद्धति व प्राचीन गुरुकुल शिक्षा परंपरा के संबंध में तुलनात्मक विचार व्यक्त किए। महाविद्यलाय के प्राध्यापक डॉ गिरीश कुमार चतुर्वेदी के द्वारा विद्यार्थियों को गुरुकुल परंपरा के बारे में जानकारी प्रेषित कर अपने माता पिता गुरुजनों एवम वरिष्ठजनों के सम्मान करने एवम उन्हे अपने दैनिक जीवन में समय देने जैसी बाते बताई गई। तथा समय के साथ बदलने वाली परिस्थियों से संयम व धैर्य के साथ सीख कर आगे बड़ने की शिक्षा दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के स्टाफ डॉ. लवी सिंह, सुश्री पलक जैन, डॉ. मंगल नाथ तिवारी, डॉ. केपी तिवारी के द्वारा बाल्यावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक जीवनपर्यंत मिलने वाले गुरुजनों की शिक्षा एवम मार्गदर्शन के बारे में बताया गया तथा

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मानव जन्म के साथ जुड़ने वाले सामाजिक, शैक्षणिक एवम प्राकृतिक दायित्वों को गुरुजनों के ज्ञान एवम मार्गदर्शन से निर्वहन करने जैसे विचार व्यक्त किए गए और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। उक्त कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों में राधे कृष्णा यादव, कु. रश्मी प्रियदर्शी के द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियों को नये महाविद्यालय में प्रवेश लेने की की शुभकामनाओं के साथ कई प्रेरणास्पद बातें साझा की गयीं और कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा 7 कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक डॉ. गिरीश चतुर्वेदी और आभार प्रदर्शन बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र राधे कृष्णा यादव के द्वारा किया गया 7 इस प्रकार उच्च शिक्षा विभाग म. प्र. शासन के द्वारा निर्देशित गुरुपूर्णिमा और दीक्षारम्भ का र्यक्रम महाविद्यालय में समापन हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती विद्यालय के पूर्व प्राचार्य नारायन दास भट्ट, गणमान्य नागरिक, महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थी गण, एनएसएस के सभी स्वयंसेवक, प्राध्यापक गण डॉ. गिरीश चतुर्वेदी, डॉ. केपी तिवारी, डॉ अवधेश यादव, डॉ अशोक कुमार गुप्ता, कमलेश पाल, डॉ. अंजना सिंह, सुश्री पलक जैन, डॉ सुमनलता साकेत, डॉ लवी सिंह, डॉ मंगल नाथ तिवारी, राजेश शर्मा, रामलगन एवं ग्राम रम्पा के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति प्रार्थनीय रहे।

मुख्यमंत्री की मुहिम को मिला जन-जन का साथ

जल गंगा संवर्धन अभियान से पुरानी जल संरचनाओं को मिला नया जीवन

सीधी। जल जीवन के लिए नितांत आवश्यक है। जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को विशेष महत्व देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा 30 मार्च 2025 को पवित्र क्षिप्रा नदी के तट से जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया । जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य की जल संरचनाओं, नदियाँ, तालाब, कुएँ, बावड़ियाँ आदि का संरक्षण एवं पुनरुद्धार करना था। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज के द्वारा अभियान के अंतर्गत पूर्व से निर्मित जल संरचनाओं के संरक्षण तथा संवर्धन के कार्य कराये गये। साथ ही नवीन जल संरचनाओं के निर्माण हेतु कार्यवाही की गयी। अभियान के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जिले में चार नदियों के उद्गम स्थलों में पूजन कर अभियान के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट कराया। जिले के प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायकगण, जनप्रतिनिधियों, जनअभियान परिषद तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ आमजनता ने भी बढ़चढ़ कर भागीदारी निभाई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 1916 खेत तालाब, 400 डग वेल रिचार्ज पिट,37 अमृत सरोवर का लक्ष्य दिया गया था, जिसके परिपेक्ष्य में जिले में शत प्रतिशत कार्य स्वीकृत किये गए हैं । खेत तालाब के लक्ष्य के विरुद्ध 1159 खेत तालाब पूर्ण कराये गए। इसी प्रकार स्वीकृत 473 डग वेल रिचार्ज पिट में से 298 के पूर्णता प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं एवं 115 डग वेल रिचार्ज पिट के कार्य भौतिक रूप से पूर्ण हो चुके हैं, शेष की पूर्णता की कार्यवाही की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान कराये गए कार्यों से जल स्तर मे अधिक वृद्धि हो सकेगी तथा वर्षाजल का खेत तालाबों में संग्रहण होने से हितग्राहियों के कृषि उपज में बढ़ोतरी होने से उनके जीवन स्तर एवं आजीविका में उन्नति होगी।

मुख्यमंत्री के आह्वान पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाने के लिए कार्य किया गया। 30 मार्च से लेकर 30 जून तक चलने वाले इस अभियान में जिला प्रशासन एवं समाज के सहयोग से जन अभियान परिषद के द्वारा जल संरक्षण की दिशा में अनेकों कार्य किए गए। 1500 जलदूत, पांच कुओ में स्वच्छता अभियान, 78 तालाबों की सफाई, 91 नदी तटों पर स्वच्छता का कार्यक्रम, 190 जल संगोष्ठी, 37 नुक्कड़ नाटक, 684 स्थान पर जल संरक्षण हेतु दीवार लेखन, 16 स्थान पर चित्रकला प्रतियोगिता, 134 रैली, इस प्रकार से पूरे जिले में उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में 34254 लोगों की प्रतिभागिता की गई। सामाजिक संगठनों ने नदियों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाकर श्रमदान किया।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गुरु पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित

सीधी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत त्रैमासिक गतिविधियों के तहत गुरूपूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ की गई तत्पश्चात उपस्थित गुरुजनों का पूजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक श्री धीरज नामदेव का श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छात्र का समग्र विकास गुरु के मार्गदर्शन में ही सम्भव है। कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं में डॉ. पूजा गर्ग ने कहा कि भारतीय गुरु शिष्य परंपरा पीढ़ियों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करती है। डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने गुरूपूर्णिमा के बारे में अपनी बात रखी।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. आई. पी. प्रजापति ने गुरूपूर्णिमा के महत्व के बारे में बताते हुए सभी शिक्षकों को गुरूपूर्णिमा की शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा कुमारी काजल तिवारी ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। इसके साथ ही अन्य छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे प्रथम स्थान पर कुमारी ओमश्री श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर पुष्पेंद्र गुप्ता तृतीय स्थान पर निकिता गुप्ता रही । कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया तो आभार प्रदर्शन सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया । कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से डॉ. संगीता मिश्रा डॉ कमलेश जायसवाल डॉ राजेश पटेल डॉ रामधारी जायसवाल डॉ अनुराग तिवारी डॉ पंकज मिश्रा डॉ सौरभी गुप्ता डॉ. ज्योति मौर्या डॉ निशा सिंह डॉ अमिता खरे डॉ संध्या वर्मा डॉ सुरेंद्र गुप्ता प्रो.प्रवीण कुमार प्रो.बाबा हरिनन्द श्री सुन्दर लाल प्रजापति श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राए उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक एवं कन्या छात्रावास के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 अगस्त तक

सीधी। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने जानकारी देकर बताया है कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए दिनांक 01.07.2025 से जिला स्तर पर संचालित 100 सीटर पिछड़ा वर्ग पो.मै. बालक छात्रावास नौढ़िया सीधी एवं 50 सीटर पिछड़ा वर्ग पो.मै. कन्या छात्रावास सीधी में पिछड़ा वर्ग के उच्च शिक्षा एवं 10वी., 12वीं (शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय/विद्यालय) में अध्ययनरत इच्छुक छात्र/छात्राएं छात्रावास में प्रवेश के लिए अपना आवेदन-पत्र निर्धारित प्रारूप में निर्धारित मापदण्डो/प्रमाण-पत्रों सहित अंतिम तिथि दिनांक 15.08.2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। छात्र/छात्राएं आवेदन पत्र नि:शुल्क छात्रावास से प्राप्त कर सकते हैं एवं आवेदन पत्र पूर्ण कर समस्त सहपत्रों के साथ छात्रावास अधीक्षक/अधीक्षिका के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। छात्रावास में प्रवेश के लिए मापदण्डों की पूर्ति आवश्यक है अन्यथा आवेदन-पत्र निरस्त कर दिया जावेगा। उन्होंने बताया कि छात्रावास में प्रवेश पाने के लिए छात्र/छात्राओं को स्थानीय महाविद्यालय/विद्यालय में प्रविष्ट होना अनिवार्य है साथ ही आनलाइन प्रवेश की कापी आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। छात्रावास में प्रवेश के लिए शैक्षणिक संस्था के प्राचार्य से फार्म को प्रमाणित करवाना अनिवार्य होगा। छात्रावास में प्रवेश केवल एक ही शिक्षण सत्र के लिए होगा। छात्रावासी छात्रों को 13 आकस्मिक एवं 20 मेडिकल अवकाश की पात्रता होगी। छात्रों को प्रथम प्रवेश के समय रूपये 1000 अवधान राशि (काशन मनी) जमा करना अनिवार्य है जो कि छात्रावास छोड़ते समय वापसी योग्य होगी। छात्रावास में प्रवेश छात्रावास प्रवेश नियमावली-2012 के अनुसार दिया जावेगा। सभी छात्र/छात्राओं को कोविड-19 का टीकाकरण लगने सर्टिफिकेट अनिवार्य होगा। छात्र/छात्राओं के घोषणा पत्र एवं माता/पिता/अभिभावकों की लिखित सहमति के आधार पर ही छात्रावास में प्रवेश दिया जावेगा। छात्रावासी छात्रों को विभाग द्वारा निर्धारित आचार संहिता का पालन अनिवार्य है इनकी अवहेलना तथा गलत जानकारी देने पर छात्र को छात्रावास से निष्कासित किया जा सकेगा। छात्र विस्तृत जानकारी अधीक्षक/अधीक्षिका पो.मै. बालक/कन्या छात्रावास सीधी से सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में औसत वर्षा 356.1 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 10 जुलाई को सीधी जिले में 22.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 28.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 2.0 मि.मी., बहरी में 12.8 मि.मी., मझौली में 37.0 मि.मी. और कुसमी में 80.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 356.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 10 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 473.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 197.0, चुरहट में 229.0, गोपद बनास में 281.4, बहरी में 411.1 मझौली में 445.0 मि.मी. और कुसमी में 456.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 142.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

विधायक से नि:शुल्क कोचिंग क्लासेज के शिक्षकों और अभ्यर्थियों ने की भेंट

सीधी। आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा यूपीएससी एवं एमपीपीएससी निरूशुल्क कोचिंग क्लासेज के शिक्षको और अभ्यर्थियों ने सीधी विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती रीती पाठक से भेंट की और सीखा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जनता की समस्याओं का निराकरण कैसे किया जाता है। इस दौरान विधायक ने शिक्षकों से कोचिंग संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा सभी का मार्गदर्शन किया।

विधायक ने कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर श्री परीक्षित भारती द्वारा संचालित इस शिक्षारूपी नि:शुल्क पहल की सराहना की। साथ ही सभी को उज्जवल भविष्य की अग्रिम बधाइयां दी।

इस दौरान नि:शुल्क कोचिंग सहायक संचालक किरण भारती, शिक्षिका दीक्षा लोधी, शिक्षक गुरुदेव मिश्रा और अभ्यर्थी आकांक्षा सोनी, प्रिया मिश्रा, सरस्वती विश्वकर्मा, कंचन जायसवाल, कीर्ति सिंह चौहान, देवयानी सिंह चौहान, शिवानी सिंह, विक्रम गुप्ता, शिवदयाल साहू, कमलेश साहू उपस्थित रहे।

समग्र आधार लिंकिंग एवं ईएसएस प्रोफाइल पूर्ण करने के निर्देश जारी

सीधी। आयुक्त कोष एवं लेखा म.प्र. भोपाल ने निर्देशित किया है कि आईएफएमआईएस में कोषालय से संबंद्ध समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को अपने अधीनस्त कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारियों का समग्र ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत समग्र आई.डी. का आधार के साथ मैपिंग का कार्य पूर्ण किया जाना अनिवार्य है। आईएफएमआईएस अंतर्गत ईएसएस प्रोफाइल में समस्त शासकीय सेवकों के डिटेल यथा नामिनी, परिवार विवरण, ई-मेल, मोबाईल नम्बर अपडेट नहीं होने के कारण विशेष रूप से आवश्यक कारण संबंधितों का पेंशन प्रकरण, नामांकन, अनुकम्पा नियुक्ति तथा स्वत्वों के भुगतान में तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को लेख किया है कि ऐसे समस्त शासकीय सेवक जिनकी आईएफएमआईएस के समग्र तथा आधार मैंपिंग ई-केवाईसी के लिए लंबित है को शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के दृष्टिगत पूर्ण करावें। साथ ही साथ ईएसएस प्रोफाइल में उल्लेखित समस्त डिटेल शासकीय सेवकों के सेवा अभिलेखों से मिलान कर आईएफएमआईएस में अनिवार्य रूप से अद्यतन करावें। उक्त कार्य 31.07.2025 तक सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर अनिवार्य रूप से पूर्ण करावें।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में गुरु पूर्णिमा के आयोजन में गुरुओं का सम्मान

सीधी। संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के पालन में प्राचार्य डॉ. राम नारायण स्वर्णकार के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा मनाई गई, जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात आमंत्रित विद्वानों डॉ. ए.आर.सिंह, डॉ. रामलला शर्मा, डॉ. शेषमणि मिश्रा डॉ. संतोष सिंह चौहान का माल्यार्पण से स्वागत किया गया। साथ ही प्राचार्य के स्वागत भाषण में अतिथियों का एक बार पुन: स्वागत किया गया। आमंत्रित विद्वानों में डॉ. रामलला शर्मा पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय कुसमी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि गुरु शिष्य परंपरा बहुत ही प्राचीन है, जो सनातन संस्कृति को प्रकट करती है। निश्चित रूप से इससे हम सबको सीख लेने की आवश्यकता है। उद्बोधन देते हुए डॉ. संतोष सिंह चौहान पूर्व विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा का एक लंबा इतिहास है जो हम सभी का मार्गदर्शन करता है और हमें गुरुओं का सम्मान करना चाहिए। डॉ. शेष मणि मिश्रा पूर्व विभाग अध्यक्ष समाजशास्त्र ने समस्त उपस्थित जन का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हम अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं जो हमारे लिए हानिप्रद है, हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। डॉ. ए. आर. सिंह पूर्व प्राचार्य ने घटती हुई गुरु महिमा की ओर इशारा करते हुए बताया कि हमें अपने व्यवहार में सुधार करना चाहिए और एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना चाहिए। तत्पश्चात समस्त आमंत्रित विद्वानों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर में अनुदान के लिए आवेंदन आमंत्रित

सीधी। सहायक कृषि यंत्री ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले के कृषकों को उन्नत तकनीक की कृषि यंत्र हैप्पी सीडर/सुपर सीडर/स्मार्ट सीडर के क्रय पर शासन द्वारा अनुदान प्राप्त करने बाबत कृषकों से ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल (तिउमतण्उचकंहमण्वतह) पर ऑनलाईन आवेदन दिनांक 05/07/2025 से प्राप्त किये जा रहे हैं । उपरोक्त कृषि यंत्रों के ऑनलाइन आवेदन के लिए कृषकों को स्वयं की नाम की जमीन की बी1, बैंक पासबुक, ट्रैक्टर आर.सी., जाति प्रमाण पत्र (एससी-एसटी वर्ग के कृषको के लिए) एवं 45 सौ रूपये राशि की डीमांड ड्राफ्ट (आवेदक के स्वयं के बैंक खाते से) धरोहर राशि के रूप में की आवश्यकता है । कृषकों द्वारा संदर्भित ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर उपरोक्त कृषि यंत्रों के लिए आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किया जावेगा एवं लॉटरी की सूचना प्रकाशित कर अनुदान प्रदाय के लिए शासकीय अन्य आवश्याक कार्यवाही की जावेगी।

उन्होंने बताया कि सुपर सीडर यंत्र मे खेत की जुताई एवं बीज की बुवाई की संयत्र एक साथ होती है और एक ही बार मे खेत की जुताई कर बुवाई कर देती है । सुपर सीडर यंत्र के उपयोग से नरवाइ, पराली एवं फसल अवशेष को खेत में जोताई कर मिट्टी में मिला दिया जाता है जो फसल के लिए कार्बनिक पदार्थ के रूप में कार्य करते हैं एवं फसल की कटाई उपरांत एक बार में ही अगली फसल की बीज को खेत मे जुताई-बुवाई एक साथ करने से फसल की बुवाई समय पर हो जाती है जिससे फसल के लिए आवश्यक उचित पर्यावरण प्रर्याप्त दिनों तक मिलने से फसल की पैदावार अच्छी होती है। उपरोक्त यंत्र के उपयोग से जुताई-बुवाई की लागत भी पारंपरिक विधि से जुताई-बुवाई की लागत से लगभग 40 प्रतिशत कम लगती है एवं मुनाफा बढ़ती है। सुपर सीडर के क्रय पर शासन द्वारा नियमानुसार अधिकतम 01 लाख 20 हजार रूपये की राशि अनुदान सहायता उपलब्ध है ।

इसी प्रकार हैप्पी सीडर यंत्र जीरो टिलेज तकनीकी आधारित है और नरवाई/पराली वाली क्षेत्रों मे खेत में उपस्थित नरवाई/पराली को अच्छे से सतह के ऊपर से काटकर खेत में बिछा कर खेत में बीज की बुवाई जमीन में चीरा लगाकर करती है जिससे खेत मे उपस्थित नरवाई/पराली खेत में बिछी कटी हुई पराली बोई गई फसल के लिए मल्चिंग का कार्य करती है और खेत की नमी को बरकरार रखने में सहायता करती है । उक्त यंत्र से फसल की बुवाई करने से फसल की पैदावार परंपरागत विधि से अच्छी आती है और जुताई-बुवाई की लागत भी पारंपरिक विधि से जुताई-बुवाई की लागत से लगभग 60 प्रतिशत कम लगती है एवं मुनाफा बढ़ती है। हैप्पी सीडर बुवाई तकनीक सुपर सीडर से वैज्ञानिक रूप से उन्नत होती है। हैप्पी सीडर यंत्र क्रय पर शासन द्वारा नियमानुसार अधिकतम 86350 रूपये राशि अनुदान सहायता उपलब्ध है । साथ ही स्मार्ट सीडर यंत्र सुपर सीडर यंत्र की एक अच्छी विकल्प है जो जीरो टिलेज तकनीक से हल्की ज्यादा खेत की जुताई करती है परन्तु सुपर सीडर से कम जुताई कर बीज बोनी वाली कतार में केवल जुताई कर बांकी जगह की नरवाई को खेत में दबाकर बीज की एक साथ बुवाई करती है। स्मार्ट सीडर की बुवाई में नरवाई खेत में दबकर खेत की नमी को बरकरार रखती है। उक्त स्मार्ट सीडर यंत्र से फसल की बुवाई करने से फसल की पैदावार परंपरागत विधि से अच्छी आती है और जुताई-बुवाई की लागत भी पारंपरिक विधि से जुताई बुवाई की लागत से लगभग 50 प्रतिशत कम लगती है और मुनाफा बढ़ती है। स्मार्ट सीडर यंत्र क्रय पर शासन द्वारा नियमानुसार अधिकतम 90200 रूपये राशि अनुदान सहायता उपलब्धि है।

उन्होंने सीधी जिले के कृषको को सूचित किया है कि उन्नत कृषि यंत्र के बारे में जागरूक हो सुपर सीडर/हैप्पी सीडर/स्मार्ट सीडर यंत्र क्रय पर शासन द्वारा अनुदान सहायता के लिए शासन के विभागीय पोर्टल (तिउमतण्उचकंहमण्वतह) पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर अनुदान योजना का लाभ लेवें, फसल की सही समय पर बोवाई कर फसल को मौसम की बढ़ती प्रतिकूलता से बचावें, फसल की जुताई-बुवाई की लागत को कम करें एवं उन्नत तकनीक की यंत्र से बुवाई कर फसल की उत्पादकता को बढ़ाकर अपना मुनाफा बढ़ावे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक/373 /खनिज/2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक सुवेशा इन्फ्रा. प्रा.लि., निवासी कोतरकला, पोस्ट ऑफिस के पास सीधी, तहसील-गोपदवनास, द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन 06.04.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 07.06.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 12.07.2025 से 26.07.2025 तक यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	गोपद वनास	शिवपुरवा	624	3.550 हे0	शासकीय	पत्थर (क्रशर उद्योग हेतु)	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-15415/25

संपादकीय

व्यवस्था की नाकामी

बिहार के पूर्णिया में तंत्र-मंत्र के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए जितनी चिंताजनक है, उतनी की शर्मनाक है शिक्षा व्यवस्था के लिए। जब भारत स्पेस में कदम रख संभावनाओं के नए दरवाजे खोल रहा है, तब इस तरह की वारदात बताती हैं कि समाज का एक तबका कितने गहरे अंधविश्वास में डूबा हुआ है। पीड़ित परिवार की एक महिला झाड़-फूंक करती थी। जब कुछ दिनों पहले गांव के एक बच्चे की मौत बीमारी के बाद हुई, तो लोगों का शक उस महिला और उसके परिवार पर गया। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पहले भी इस गांव में कुछ लोगों की जान बीमारी से गई थी। लेकिन, लोगों को लगा कि इन सबके पीछे वही पीड़ित परिवार है। पहले पंचायत हुई और फिर भीड़ ने नृशंसता दिखाते हुए वारदात को अंजाम दिया। यह स्थिति तब है, जब राज्य में लॉ एंड ऑर्डर बड़ा मुद्दा बना हुआ है - पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या के बाद से सरकार अपनी छवि बचाने की कोशिश में है। पूर्णिया बिहार के सबसे पिछड़े जिलों में आता है। घटना जिस टेटगामा गांव में हुई, वह आदिवासियों का है। यहां के लोग अगर आज भी झाड़-फूंक के चक्करों में फंसे हुए हैं और जादू-टोने पर भरोसा करते हैं, तो इसके पीछे पिछड़ापन और अशिक्षा दोनों है। केंद्र की स्कूल एजुकेशन रिपोर्ट यूडीआईएसई प्लस से पता चलता है कि आधुनिक शिक्षा को छोड़ दीजिए, बेसिक सुविधाओं के मामले में भी बिहार के स्कूल बाकी देश से बहुत पीछे हैं। राज्य के केवल 19.6 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, जबकि महज 12.1प्रतिशत स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम। देश में ड्रॉपआउट यानी बच्चों के स्कूली पढ़ाई छोड़ने की दर सबसे ज्यादा बिहार में है, 9-10वीं में 25प्रतिशत से भी ज्यादा। ढाई हजार से अधिक स्कूल केवल एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं। जादू-टोने का लोगों के जीवन में दखल इसलिए भी है क्योंकि स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है। पिछले साल आई छ्रत की रिपोर्ट बताती है कि पूर्णिया के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की 72 प्रतिशत कमी है। वैसे, पूरे बिहार में एक डॉक्टर के भरोसे 2,148 मरीज हैं। स्वास्थ्य विभागों में 49 प्रतिशत पद खाली हैं। ऐसे में पूर्णिया की घटना पूरे सिस्टम की नाकामी है और इसकी जिम्मेदारी सभी को लेनी होगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस क्रांति की आधारशिला रहा है, जिसने स्वास्थ्य-तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने; बीमारियों से लड़ने और सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने में सहायता की। सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में, 1.77 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के और करीब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक 427.57 करोड़ पेशेंट विजिट, 5.5 करोड़ वेलनेस सेशन और 36.64 करोड़ टेली-कंसल्टेशन संपन्न हो चुके हैं। ई-संजीवनी और टेली-मानस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने दूर-दराज के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ दिया है। एनएचएम के तहत लक्षित प्रयासों की वजह से मातृ और शिशु स्वास्थ्य सूचकों में काफ़ी सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 48 फीसदी की वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है।

सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती पहुंच

(जगत प्रकाश नड्डा)
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

पिछले ग्यारह वर्षों में भारत की स्वास्थ्य-व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। यह परिवर्तन मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, अधिक फंडिंग और सभी को सस्ती, सुलभ, समान और अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने के सरकार के संकल्प के कारण संभव हो पाया है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसमें हर नागरिक की भलाई को प्राथमिकता दी गई है।

2014 तक भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिनमें आधारभूत संरचना की कमी, प्रशिक्षित मानव संसाधनों की उपलब्धता में अंतर, दवाइयों व जांच सेवाओं की सीमित पहुंच और सेवा की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। आज समग्र देखभाल- रोकथाम, प्रोत्साहन, उपचार, पुनर्वास और गंभीर बीमारियों की देखभाल- की अवधारणा के तहत, स्वास्थ्य क्षेत्र की तस्वीर पूरी बदल चुकी है। नवाचारी कार्यक्रम, रणनीतिक निवेश व जन-केंद्रित दृष्टिकोण इस परिवर्तन की पहचान रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस क्रांति की आधारशिला रहा है, जिसने स्वास्थ्य-तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने; बीमारियों से लड़ने और सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने में सहायता की। सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में, 1.77 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के और करीब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक 427.57 करोड़ पेशेंट विजिट, 5.5 करोड़ वेलनेस सेशन और 36.64 करोड़ टेली-कंसल्टेशन संपन्न हो चुके हैं। ई-संजीवनी और टेली-मानस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने दूर-दराज के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ दिया है।

एनएचएम के तहत लक्षित प्रयासों की वजह से मातृ और शिशु स्वास्थ्य सूचकों में काफ़ी सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 48 फीसदी की वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है। बच्चों के स्वास्थ्य में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। शिशु मृत्यु दर में 73 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह कमी 58 फीसदी रही।

गैर-संचारी रोगों की बढ़ती समस्या को देखते हुए अब सिर्फ इलाज नहीं, रोकथाम पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की जांच उपलब्ध हैं। मई 2025 तक, लगभग 28 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप, 27 करोड़ लोगों की डायबिटीज और 27 करोड़ लोगों की ओरल कैंसर के लिए स्क्रीनिंग हुई है। बीमारियों की जल्द जांच व समय पर इलाज से अब स्वास्थ्य परिणाम बेहतर हुए हैं और रोगों का भार भी घटा है।

टीकाकरण कार्यक्रम भी लगातार मजबूत हो रहा है। 2014 के बाद से, छह नए टीके को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत टीकाकरण का दायरा बढ़ा है। इसके अंतर्गत 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण हुआ है। एक अहम कदम के रूप में, यू-विन पोर्टल के जरिये टीकाकरण सेवाओं को डिजिटल किया गया है। हम 2026 तक खसरा-रूबेला का उन्मूलन करने के लिए भी तैयार हैं।

रोग-उन्मूलन में भी भारत ने बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। 2014 में, भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया। वहीं, 2015 में मातृ और नवजात टेटनस एवं 2024 में ट्रेकोमा का उन्मूलन भी हो चुका है। 2015 से 2023 के बीच, मलेरिया के मामलों और उससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। हमने सतत विकास लक्ष्यों के तहत निर्धारित वैश्विक 2030 लक्ष्य से पहले ही वर्ष 2023 में कालजार के उन्मूलन के लिए तय मानकों को प्राप्त कर लिया है।

हमारे सामूहिक प्रयासों से टीबी उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की कमी और मृत्यु दर में 21 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी पुष्टि विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024' में की गई है। 'मिसिंग' टीबी मामलों की संख्या भी 2015 में 15 लाख से घटकर 2024 में केवल 1.2 लाख रह गई है।

परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य देखभाल के वित्तपोषण में भी सुधार किया गया है। 2014-2022 के बीच सरकारी स्वास्थ्य खर्च जीडीपी का 1.13 प्रतिशत से बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गया है। वहीं, लोगों की जेब से होने वाले खर्च में विशेष गिरावट आई और यह 62.6 फीसदी से घटकर 39.4 फीसदी पर पहुंच गया है। 'मुफ्त दवा और जांच सेवा' ने किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाया है। अभी 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में लैबोरेटरी सेवाएं उपलब्ध हैं, 34 राज्यों में सीटी स्कैन सुविधा है और 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में टेली-रेडियोलॉजी सेवा प्रदान की जा रही है। 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम' से 28 लाख से अधिक रोगी लाभान्वित हुए हैं, जिससे उनके खर्च में 8,725 करोड़ रुपये की बचत हुई है। 'पीएम जनमान' के तहत अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट विशेष जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सुदृढ़ आधारभूत संरचना आवश्यक है। इसी लक्ष्य के साथ, 2021 में, 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' शुरू किया गया। इसकी मुख्य पहलों में 18,802 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 602 क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉकों व 730 जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल हैं।

मानव संसाधन, एक मजबूत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसका इन 11 वर्षों में विस्तार रूपांतरणकारी रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 5.23 लाख अतिरिक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को शामिल किया है, जिनमें 1.18 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भी शामिल हैं। इसने समुदायों के करीब गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की है। इसके अलावा, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के माध्यम से गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

पिछले 11 वर्षों में भारत की स्वास्थ्य क्रांति ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य-सेवा की मजबूत नींव रखी है। सशक्त राजनीतिक प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, निरंतर प्रयास, नवाचार और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, आज देश सभी के लिए सुलभ, किफायती और समतामूलक स्वास्थ्य सेवा के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। (लेखक केंद्रीय मंत्री है(ये लेखक के अपने विचार हैं)

काम को समस्या न बनाएं

दुनिया भर में कई लोगों को सताने वाली इस यौन समस्या का निराकरण तब तक मुमकिन नहीं है, जब तक मन को समझ नहीं लिया जाता। हम विचार-क्रिया को यूं ही समाप्त नहीं कर सकते, परंतु जब विचारक का अंत हो जाता है, तब विचार का भी अंत हो जाता है, और विचारक का अंत तभी होता है, जब हम इस पूरी प्रक्रिया को समझ लेते हैं। भय तभी पैदा होता है, जब विचारक और उसके विचार में विभाजन होता है; जब विचारक नहीं होता, केवल तभी विचार में परस्पर द्वंद्व नहीं होता।

(जे कृष्णमूर्ति)

ऐसा क्यों होता है कि हम जो कुछ भी छूते हैं, वह समस्या में परिवर्तित हो जाता है हमने ईश्वर को एक समस्या बना दिया है, हमने प्रेम को एक समस्या बना दिया है, हमने संबंध को, जीने को एक समस्या बना दिया है, और हमने काम-वृत्ति को भी एक समस्या बना दिया है। क्यों... जब तक आप काम-वृत्ति को सोचने वाले मन को नहीं समझ लेते, तब तक यह असाधारण रूप से कठिन एवं जटिल समस्या बनी रहती है। काम-वृत्ति कभी भी समस्या नहीं हो सकती, समस्या उस क्रिया के बारे में सोचने के कारण पैदा होती है।

दुनिया भर में कई लोगों को सताने वाली इस यौन समस्या का निराकरण तब तक मुमकिन नहीं है, जब तक मन को समझ नहीं लिया जाता। हम विचार-क्रिया को यूं ही समाप्त नहीं कर सकते, परंतु जब विचारक का अंत हो जाता है, तब विचार का भी अंत हो जाता है, और विचारक का अंत तभी होता है, जब हम इस पूरी प्रक्रिया को समझ लेते हैं। भय तभी पैदा होता है, जब विचारक और उसके विचार में विभाजन होता है; जब विचारक नहीं होता, केवल तभी विचार में परस्पर द्वंद्व नहीं होता।

जब किसी विचार का एक तथ्य के रूप में अनुभव हो जाता है, तब उस तथ्य के बारे में सोचने की जरूरत नहीं रहती। यदि सहज, बिना पसंद-नापसंद के जागरूकता है, तो तथ्य का निहितार्थ प्रकट होने लगता है। अतः तथ्य के रूप में विचार का अंत हो जाता है। तब आप देखेंगे कि हमारे दिलो-दिमाग को कुरेदने वाली समस्याएं, हमारी सामाजिक संरचना की समस्याएं हल की जा सकती हैं। तब काम-वृत्ति कोई समस्या नहीं रहती; उसका अपना स्थान होता है, वह न तो पवित्र होती है और न अपवित्र। जीवन में काम-वृत्ति की अपनी जगह है, लेकिन जब मन उसे हद से ज्यादा तवज्जो देता है, तब यह वृत्ति एक समस्या बन जाती है। मन इसे हद से ज्यादा तवज्जो इसलिए देता है, क्योंकि वह थोड़े-बहुत सुख के बिना नहीं रह सकता और इसी कारण काम-वृत्ति समस्या बनती है।

जब मन अपनी समस्त प्रक्रिया को समझ लेता है और उसका अवसान हो जाता है, अर्थात जब विचार-क्रिया का समापन हो जाता है, तभी सृजन संभव होता है, और यह सृजन ही है, जो हमें सुखी बनाता है। सृजन की उस अवस्था में रहना ही आनंद है, क्योंकि वह आत्म-विस्मृति की अवस्था है, जिसमें स्व की कोई प्रतिक्रिया नहीं होती। काम-वृत्ति की समस्या का यह कोई सैद्धांतिक समाधान नहीं है, बल्कि एकमेव वास्तविक हल है। मन प्रेम का निषेध करता है और प्रेम के अभाव में शुचिता संभव नहीं; प्रेम न होने के कारण ही आप काम-वृत्ति को समस्या बना लेते हैं।

वर्ग पहेली 5788

संकेत: बाएं से दाएं
1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगो, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्रांथिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नष्ट्र ध्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, राहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)

ऊपर से नीचे
1. ठंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)
3. स्वामीभक्त, उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. मनुहार, मनाने का काम (4)
5. अगल-बगल (4)
9. प्रतिमा, देवमूर्ति, कठोर हृदय, आकार (2)
11. प्रश्नात्क, प्रश्नपूर्ण, प्रश्नवाचक (4)
12. व्यक्तित्व, अस्तित्व, सामर्थ्य, शक्ति (2)
13. सुंदर नेत्रों वाली, पुराणानुसार महाराज जनक की पत्नी का यह नाम था (4)
14. दुष्ट, दुर्जन, अधम, नीच (2)
18. सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
19. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
20. जो दिन इस समय बीत रहा है, इस दिनों में (2)
22. दफा, मर्तबा, आधुनिक मद्यशाला (2)

वर्ग पहेली 5787 का हल

पा	कि	स्ता	न		अ	मे	ठी
र्थ		व	र	क	न्या		क
	र	क	मी		व	दि	
र	क्षा			जू		ल	क्ष्य
ह	क		आ	न	बा	न	
न	व	नी	त		न	वा	ब
	च		ति	थि		जी	न
		जौ		र	त्त		ना

हिंदी जबरन थोपने की कोशिश न करें

(रश्मि ढेकणे)

सन् 1857 तक कहीं कोई देवनागरी में 'हिंदी' नहीं बोली या लिखी जाती थी। मुगलों ने कभी भी भारतीय भाषाओं को नहीं अपनाया, उनके काल में सभी व्यवहार-फरमान फारसी, अरबी, तुर्क भाषा में होते थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का 'हिंदवी स्वराज्य' मुगल काल में बना और तब आमतौर पर मुगलों की ही भाषा उपयोग में थी। छत्रपति शिवाजी महाराज व छत्रपति शंभुराजे के राज में मुगलों की फारसी, संस्कृत व स्थानीय मराठी भाषा का उपयोग होता था। पेशवा के समय पूरे देश में सनातन धर्म को फिर से प्रचलित करने के प्रयास हुए। उन्होंने सिंध, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु में मराठी भाषा को नहीं थोपा।आज हिंदी को देश की भाषा कहकर सारे उत्तर भारत के राज्यों की मूल मातृभाषा को समाप्त कर दिया गया है। जो भाषा स्वतंत्रता के समय बोली जाती थी, आज वह लुप्त होती जा रही है। 1900 से भारतीय भाषा व सभ्यता के विरुद्ध षड्यंत्र चल रहा है। भारत की मूल भाषाओं और सनातन सभ्यता को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। वास्तव में, पूरे उत्तर भारत के राज्यों व भाषाओं को क्षति पहुंचाई गई। आज उत्तर भारत के बहुत से ऐसे छात्र दिखेंगे, जो पहाड़ी, अवधी, ब्रज, मारवाड़ी, शेखावाटी, मैथिली, भोजपुरी जैसी भाषाओं में लिखे गए साहित्य को पढ़-लिख-समझ ही नहीं सकते। आज भारत के लगभग हर राज्य का त्योहार है, लेकिन जम्मू-कश्मीर का सनातन धर्म से जुड़ा कौन-सा त्योहार है, इसका उत्तर स्वयं यहां के सनातनियों को भी ज्ञात या याद नहीं होगा। अगर समय रहते मूल भाषाओं को पुनः चलन में न लाया गया, तो यही हाल अगले 20-30 वर्षों में हिंदीभाषी राज्यों का होने वाला है। इसलिए, अपने राज्य अथवा क्षेत्र की मूल भाषाओं को सुरक्षित रखें।आज जो राज्य 'हिंदी' थोपने का विरोध कर रहे हैं, उनका साथ दें, क्योंकि यह राष्ट्रभाषा नहीं है, बल्कि 22 भाषाओं में से एक है। आपके राज्य की मूल भाषा आपकी माता है, जबकि दूसरे राज्यों की मूल भाषाएं आपकी मौसी। तो, मौसी का स्वागत, आदर करें, लेकिन उनको अपनी मां की जगह न दें। मराठियों की माता मराठी अभी जीवित है, तो उनको हिंदी मौसी की आवश्यकता नहीं है। इसी तरह, गुजरात में गुजराती माता, कर्नाटक में कन्नड़ माता, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में तेलुगु माता, ओडिशा में ओड़िया माता, केरल में मलयाली माता, तमिलनाडु में तमिल माता, गोवा में कोंकणी माता अभी जीवित हैं। इन राज्यों में हिंदी मौसी आकर स्थायी ठिकाना बनाने की कोशिश न करे।

आज हिंदी को देश की भाषा कहकर सारे उत्तर भारत के राज्यों की मूल मातृभाषा को समाप्त कर दिया गया है। जो भाषा स्वतंत्रता के समय बोली जाती थी, आज वह लुप्त होती जा रही है।

आज का राशिफल

मेष
आज करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। कोई महत्वपूर्ण डील दोपहर तक फाइनल हो सकती है जिससे आपकी प्रफेशनल साख बढ़ेगी। ऑफिस में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। स्टॉक मार्केट या निवेश से जुड़े निर्णय फायदेमंद हो सकते हैं। विदेश या सरकारी क्षेत्र से धन प्राप्ति के योग हैं।

वृष
आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा। आप अपने व्यापार या करियर के विस्तार की नई योजनाओं में व्यस्त रहेंगे। किसी वरिष्ठ अधिकारी या सलाहकार के मार्गदर्शन से रुका हुआ फंड मिल सकता है। स्थानांतरण या प्रमोशन संबंधी सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं।

तुला
आज धन, करियर और साझेदारी के लिए दिन शुभ है। यदि आप नया व्यवसाय या वेंचर शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन श्रेष्ठ है। पुराने फाइनेंशियल विवाद सुलझ सकते हैं जिससे राहत मिलेगी। बैंकर, लीगल प्रफेशनल्स और कंसल्टेंट्स को विशेष सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक
आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके माली हालात में सुधार के योग बन रहे हैं। प्रफेशनल्स को बोनस या परफॉर्मेंस इंसेंटिव मिल सकता है। व्यापारियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल या टेक एक्सपोर्ट से जुड़े प्रॉजेक्ट्स में लाभ मिलेगा।

मिथुन
आज भाग्य साथ दे रहा है। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष लाभकारी रहेगा। फीलांसर, डिजाइनर, लेखक आदि के लिए नए क्लाइंट मिलने की संभावना है। अगर आप शेयर बाजार या क्रिप्टो मार्केट से जुड़े हैं तो दोपहर बाद कुछ तेजी से लाभ कमा सकते हैं।

कर्क
आज दिन शुभ है। आप अपनी सृजनात्मकता से करियर में एक नया मुकाम हासिल कर सकते हैं। मार्केटिंग, मीडिया, फिल्म, संगीत या फैशन से जुड़े जातकों को बड़ी डील मिल सकती है। सहकर्मी आपके आइडियाज को सराहेंगे।

धनु
आज लाभ होगा। दिन जोखिम और अवसर दोनों से भरा रहेगा। स्टार्टअप, फिनटेक या इनोवेटिव प्रॉजेक्ट्स में निवेश करने वाले लोग सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिर सोच लाभ देगी। करियर में अचानक कोई नया प्रस्ताव आ सकता है।

मकर
आज करियर और व्यापार दोनों में आज गति आएगी। कई तरह के प्रॉजेक्ट्स एक साथ हाथ में आने से कार्यभार बढ़ेगा लेकिन साथ ही वित्तीय लाभ भी मिलेगा। स्टार्टअप्स और फाइनेंस प्रोजेक्ट्स में फंडिंग या वेंचर कैपिटल का सहयोग मिलने के योग हैं।

सिंह
आज दिन काफी व्यस्त है। लेकिन आपके लिए कई नई संभावनाएं खुलने वाली हैं। जॉब चेंज या प्रमोशन की बात आगे बढ़ सकती है। वरिष्ठों से थोड़ा संघर्ष रहेगा, लेकिन आपकी योग्यता खुद बोलेगी। जो लोग एजुकेशन या रिसर्च सेक्टर में हैं उन्हें फंडिंग या स्कॉलरशिप से जुड़ी खबर मिल सकती है।

कन्या
आज आर्थिक मामलों में बहुत सतर्कता से काम करने का है। किसी पुराने लेनदेन में कानूनी उलझन संभव है, अत: दस्तावेजों की दोबारा जांच करें। कार्यस्थल पर सामंजस्य बनाए रखें, नहीं तो छोटी बात बड़े विवाद में बदल सकती है।

कुंभ
आज दिन आर्थिक मामलों में संभावनाओं से भरा होगा। स्वास्थ्य पर खर्च की संभावना से आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। व्यापारियों के लिए नए आइडिया लाभ दे सकते हैं। जॉब चेंज की प्लानिंग कर रहे हैं तो अच्छे विकल्प मिलने की संभावना है। फाइनेंस, आईटी और कंसल्टिंग से जुड़े लोग क्लाइंट पिच में सफल हो सकते हैं।

मीन
आज दिन भाग्य का साथ दे रहा है। वित्तीय दृष्टि से दिन शुभ है। कोई पुराना निवेश जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट या शेयर अप्रत्याशित लाभ दे सकता है। बैंकिंग, बीमा, गवर्नमेंट सेक्टर या पब्लिक डीलिंग से जुड़े कार्य सफल रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एसवायएल विवाद पर भगवंत मान की सलाह– सिंधु जल समझौता तोड़ ही दिया, चिनाब का पानी लाएं

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के चीफ मिनिस्टर भगवंत मान ने हरियाणा के साथ चल रहे सतलज यमुना लिंक नहर पर विवाद को लेकर मजेदार सुझाव दिया है। उनका कहना है कि नहर के पानी को लेकर विवाद पूरी तरह से खत्म हो सकता है, यदि इसमें चिनाब नदी का पानी डाल दिया जाए। उनका कहना है कि इससे इतना पानी आ जाएगा कि पंजाब, हरियाणा के साथ ही राजस्थान और मध्य प्रदेश तक की जरूरतें पूरी हो सकेंगी। उन्होंने जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की ओर से बुलाई मीटिंग के दौरान यह सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल तो हमारे पास एक बूंद पानी भी अतिरिक्त नहीं है, जो हरियाणा या फिर किसी अन्य राज्य को दिया जाए। उन्होंने कहा कि चिनाब नदी के पानी को पंजाब की ओर डायवर्ट करने का काम तेजी से शुरू करना चाहिए। यह पानी आ जाए तो उसे हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों के साथ साझा किया जा सकेगा। सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु रिवर सिस्टम की तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया है। लेकिन भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से समझौता स्थगित कर दिया है। फिलहाल सतलज-यमुना लिंक नहर को लेकर 5 अगस्त को फिर से मीटिंग का फैसला लिया गया है। इसके अलावा 13 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। माना जा रहा है कि पंजाब सरकार की ओर से चिनाब नदी को डायवर्ट करने की बात सुप्रीम कोर्ट में भी रखी जा सकती है। इस मामले में मध्यस्थता के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जल शक्ति मंत्री को कहा था, लेकिन आपसी सहमति से फिलहाल मसले का हल निकलता नहीं दिख रहा है। इस मीटिंग में भगवंत मान ने मौजूदा स्थिति में तो पानी रिलीज करने से इनकार कर दिया, लेकिन एक नया ही सुझाव देने लगे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौता टूटने से एक अवसर मिला है और चिनाब का पानी यहां लाकर मसले का हल निकाला जा सकता है। इससे पंजाब, हरियाणा समेत देश के कई राज्यों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

संजय राउत का दावा– मोहन भागवत कर रहे हैं पीएम मोदी को रिटायर होने का इशारा

नईदिल्ली, एजेंसी। आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर 75 साल में रिटायर होने की बहस छेड़ दी है। इस बयान को लेकर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा है कि संघ प्रमुख यह संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दे रहे हैं। खास बात है कि पीएम मोदी और भागवत दोनों ही इस साल सितंबर में 75 साल के होने जा रहे हैं। बुधवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा था, जब आपको कोई 75 साल का होने पर बधाई देता है, तो इसका मतलब होता है कि अब आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों को काम करने देना चाहिए। इसपर राउत ने कहा कि संघ प्रमुख पीएम मोदी को यह संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जसवंत सिंह आदि जैसे नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला दिया, क्योंकि वह 75 साल के हो गए थे। अब देखते हैं कि क्या मोदी इसका पालन खुद भी करेंगे। इससे पहले मार्च में राउत पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के लिए आरएसएस के नागपुर मुख्यालय गए थे। राउत ने कहा था कि पीएम बीते 10-11 सालों में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए और वह दौरा उनके राजनीतिक भविष्य के लिहाज से अहम था। बीते साल मई में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साफ किया था कि पीएम मोदी 75 साल का होने के बाद भी सक्रिय राजनीति से रिटायर नहीं होने वाले हैं। उन्होंने कहा था, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है और मोदी जी 2029 तक देश की अगुवाई करेंगे और मोदी जी आने वाले चुनावों में भी नेतृत्व करेंगे।

तेजी से पिघल रहे हैं बाबा बर्फानी

अमरनाथ यात्रियों में जल्दी दर्शन की होड़

पहलगाम, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारी सुरक्षा के बीच शुरू हुई अमरनाथ यात्रा को लेकर नई चिंताएं हैं। खबरें हैं कि बर्फ से प्राकृतिक रूप से तैयार होने वाली पवित्र शिवलिंग तेजी से पिघल रही है, जिसके चलते तीर्थयात्रियों में जल्दी जल्दी दर्शन करने की होड़ मची है। हालांकि, आंकड़े बता रहे हैं कि अब तक 17 हजार से ज्यादा लोग शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। तेजी से पिघलने की बात ने तीर्थयात्रियों से लेकर स्थानीय लोगों तक सभी को हैरान किया है। खास बात है कि कश्मीर घाटी भयंकर लू का सामना कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि अब उन्होंने अनुमान लगाना बंद कर दिया है कि शिवलिंग कब तक बने रहेंगे। एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा, हर साल शिवलिंग तेजी से पिघलता है। उन्होंने कहा, सालों पहले यह अगस्त तक टिके थे। मौसम का कोई ठिकाना नहीं है। हम पूर्वानुमान नहीं लगा सकते कि कब क्या होगा। यह भविष्य में यात्रा पर असर डालेगा। हम सिर्फ सुविधाएं बेहतर कर सकते हैं, मौसम नहीं बदल सकते।

शिवलिंग का बनना और पिघलना

शिवलिंग का बनना श्रावण के महीने में शुरू हो जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में इनका गायब होना क्षेत्र के जलवायु संकट का पैमाना बन गया है। साल 2018 में यह 27 जुलाई को पिघले, 2019 में यात्रा आतंकवादी घटनाओं के जोखिम के चलते रद्द हुई, 2020 में जून के मध्य में शिवलिंग बने और जुलाई 23 तक 80 फीसदी तक पिघल गए थे। 2021 में महामारी ने यात्रा रद्द कराई, 2022 में यह सिर्फ 18 जुलाई तक चली और 2023 में शिवलिंग 47 दिनों तक बने रहे। 2024 में तो शिवलिंग महज 1 सप्ताह में ही पिघल गए थे। अखबार से बातचीत में पूर्व बीएसएफ आईजी (कश्मीर) राजा बाबू सिंह बताते हैं, मेरे कार्यकाल के दौरान मैंने देखा कि क्षेत्र में बर्फबारी कम हो गई है। यात्रा साफ भूमि पर हुई करती थी। अब यहां सुरक्षा बलों की भारी आवाजाही, हेलीकॉप्टरों का आना जाना और लाखों तीर्थयात्रियों का आना है। इसका पर्यावरण पर असर पड़ा और ग्लोबल वॉर्मिंग का खतरा भी है।

क्या बोले लोग

यात्रा के सबसे ऊंचे पड़ाव महागुणा को लेकर कहा जाता है कि भगवान शिव यहीं गणेश जी को छोड़कर गए थे। अखबार से बातचीत में तीर्थयात्री आशा सिंह और पति अनिल पुरानी यादें ताजा करते हैं। वह बताते हैं, इनर, लंबी आस्तीन के कपड़े, थर्मल जैकेट, बूट, कैप और ग्लव्स होते थे। ये पूरा इलाका बर्फ से ढंका होता था। उन्होंने कहा, अब हम यह चढ़ाई साड़ी में कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से आए 9 सदस्यीय दल में शामिल मीना ने अखबार को बताया, हमने सुना है कि बाबा बर्फानी कुछ ही दिनों में जाने वाले हैं। हम आज ही उनके दर्शन करेंगे। जयपुर के संकेत यादव 12 लोगों के एक समूह के साथ दर्शन करने पहुंचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, थोड़ी देर के दर्शन के बाद वह बाहर निकलते हैं और अपना सामान उठाते हैं। इस दौरान वह अपने रिश्तेदारों को बताते हैं कि बर्फ तेजी से पिघल रही है। वह कहते हैं, आप देख लीजिए आना हो तो।

क्या बोले जानकार

ग्लेशियरों पर स्टडी करने वाले प्रोफेसर इरफान राशिद अखबार को बताते हैं, क्षेत्र में 5 जाने माने ग्लेशियर हैं और पर्माफ्रोस्ट इलाके भी हैं। अगर आप अमरनाथ गुफा की तरफ जाएंगे, तो आपको ग्लेशियर दिख जाएंगे, लेकिन ये सभी अब कम होने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना क्षेत्रीय है।

सीएम कैंडिडेट के लिए शशि थरूर बेस्ट, 28प्रतिशत लोगों की पसंदः कांग्रेस एमपी ने खुद शेयर किए सर्वे रिपोर्ट

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी। कांग्रेस को वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने बुधवार को एक सर्वे रिपोर्ट शेयर किया है, जिसमें उन्हें केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे पसंदीदा चेहरा बताया गया है। यह सर्वे केरल वोट वाइब नाम की एक निजी एजेंसी द्वारा कराया गया है, जिसमें 28.3प्रतिशत लोगों ने थरूर को मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त नेता माना है। थरूर ने इस सर्वे से जुड़ी खबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया और हाथ जोड़ने वाली इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी है। शशि थरूर का यह कदम ऐसे समय पर आया है जब पहालगाम आतंकी हमले के बाद उनके कुछ बयानों को लेकर कांग्रेस के भीतर काफी आलोचना हुई थी। उनके कुछ वक्तव्यों को पार्टी लाइन से इतर माना गया और कहा गया कि इससे पार्टी को रक्षात्मक स्थिति में आना पड़ा। इस सर्वे से जाहिर है कि केरल में एक बड़े वर्ग में थरूर की स्वीकार्यता बनी हुई है और वे मुख्यमंत्री पद की दौड़ में गंभीर दावेदार बनते जा रहे हैं। आपको बता दें कि केरल में अगला विधानसभा चुनाव अप्रैल 2026 में होना है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन लगातार दूसरी बार सत्ता में हैं और विपक्षी खेमे में नेतृत्व को लेकर मंथन जारी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शशि थरूर की अंतरराष्ट्रीय पहचान। उनकी शहरी अपील और बौद्धिक छवि भी जगजाहिर है। वह यूडीएफ के लिए एक नया और प्रभावशाली चेहरा तो बन सकते हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ उनकी नहीं बन रही है। ऐसे में यह सर्वे उन्हें कांग्रेस में कुछ खास लाभ नहीं दिला पाएगा।

जयपुर सेंट्रल जेल में टॉर्चर की फीसः कैदी को सताने की धमकी देकर मांगे 70 हजार

जयपुर , एजेंसी। जयपुर सेंट्रल जेल, जिसे अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित जेल माना जाता है, अब खुद अपराध की अंधेरी परतों में फंसती नजर आ रही है। राजस्थान एसीबी की एक चौंकाने वाली कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि जेल के अंदर का सिस्टम सिर्फ बंद दरवाजों तक सीमित नहीं है, बल्कि वहां इंसाफ का सौदा भी खुलेआम चल रहा है। एक जेल प्रहरी को कैदी को प्रताड़ित न करने के बदले 70 हजार की रिश्वत मांगते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

रिश्वत नहीं दी, तो भाई को 'टॉर्चर' मिलेगा! : मामला एक ऐसे गैंगस्टर टाइप आरोपी से जुड़ा है, जो कुछ ही दिन पहले जयपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट हुआ था। इसी कैदी के भाई को जेल प्रहरी जगवीर सिंह ने कॉल कर धमकी दी–अगर पैसे नहीं दिए गए, तो तुम्हारे भाई को अंदर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाएगा। ये कोई सामान्य मांग नहीं थी, बल्कि एक डरावनी डील थी जिसमें रिश्वत इंसाफ की कीमत बन चुकी थी। कैदी के भाई ने डरने के बजाय एसीबी का दरवाजा खटखटाया और पूरे मामले की शिकायत की। प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होते ही एसीबी ने ट्रैप रचने की रणनीति बनाई और शिकायतकर्ता को 26,000 की पहली किस्त देने को कहा।

ट्रैप में फंसा 'सिस्टम का रखवाला' : ठीक योजना के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को रिश्वत की रकम सौंपी, एसीबी की टीम ने दबिश दी और जेल प्रहरी जगवीर सिंह को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के पास से पूरी रिश्वत राशि बरामद हुई। ये गिरफ्तारी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि जेल के भीतर सक्रिय एक भयावह और भ्रष्ट सिस्टम की पोल खोलती है।

सवालों के घेरे में जेल प्रशासन : सवाल यह है कि जब जेल प्रहरी ही सुरक्षा और कानून के नाम पर डर का कारोबार करने लगे, तो अंदर कैदी कितना सुरक्षित है? ये रिश्वत किसी मोबाइल या सुविधा के लिए नहीं थी, ये रिश्वत थी टॉर्चर नहीं करने की। यानि जो व्यक्ति पहले ही कोर्ट द्वारा सजा भुगतने जेल भेजा गया है, उसे वहां भी मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से बचने के लिए पैसे देने पड़ें–ये जेल प्रशासन के लिए सबसे शर्मनाक स्थिति है। डीआईजी जयपुर द्वितीय राहुल कोटोकी ने भी माना कि जेल में किसी भी आरोपी से इस तरह का अमानवीय व्यवहार किया जाना नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि जिस कैदी की बात हो रही है, वह फिरौती मांगने जैसे गंभीर अपराध में बंद है, लेकिन उसके साथ जेल में होने वाला कोई भी बर्ताव कानून की सीमाओं में होना चाहिए। एसीबी ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी के आवास पर भी छापा मारा, हालांकि वहां से कोई बड़ी संपत्ति या दस्तावेज बरामद हुए या नहीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं की गई है। पूछताछ और जांच अभी जारी है। बड़ा सवाल ये भी है कि एसीबी की लगातार कार्रवाइयों के बावजूद क्या वजह है कि सरकारी तंत्र में घुसे ऐसे लोग बेखौफ होकर रिश्वतखोरी को अंजाम दे रहे हैं?

पहले डिप्टी सीएम की पार्टी के एमएलए ने स्टाफ को पीटा अब कैंटीन का लाइसेंस कैंसल, फडणवीस भी खफा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने बासी भोजन परोसे जाने पर मुंबई के जिस विधायक हॉस्टल कैंटीन के एक कर्मचारी को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था, अब उस कैंटीन का लाइसेंस कैंसल कर दिया गया है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाने की खराब क्वालिटी के आरोपों पर कैंटीन का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

मंगलवार को दाल का खराब क्वालिटी पर शिवसेना विधायक भड़क उठे थे और कैंटीन के स्टाफ पर मुक्कों की बरसात कर दी थी और उसे धक्का भी दिया था। विधायक द्वारा कैंटीन स्टाफ की पिटाई की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना से राज्य में विवाद छिड़ गया है और शिवसेना नेताओं के आचरण पर सवाल उठ रहे हैं।

एफडीए ने रद्द किया लाइसेंस : विवादों के बीच, कैंटीन का लाइसेंस रद्द करने का फैसला महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा भोजन के नमूने एकत्र करने के कुछ घंटों बाद आया है। विधायक ने आरोप लगाया था कि उन्हें बासी खाना परोसा गया था। उसके बाद एफडीए हरकत में आया है।

मुख्यमंत्री ने एमएलए के कृत्य को बताया था अनुचित : बुलढाणा विधायक के इस कृत्य का वीडियो आज वायरल हुआ है, जिसकी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ-साथ विपक्षी दलों ने भी निंदा की है। इस मामले की गूंज आज विधान मंडल में भी सुनाई दिया। मुख्यमंत्री ने इस कृत्य को गलत करार देते हुए कहा कि इससे सत्ताधारी गठबंधन के सभी विधायकों के बारे में यह गलत संदेश गया है कि वे सत्ता का दुरुपयोग करते हैं। उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने भी अपनी पार्टी के नेता के कृत्य को अनुचित बताया है।

विधायक के खिलाफ अभी तक नहीं शिकायत : एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विधायक के खिलाफ अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। यह घटना 'आकाशवाणी एमएलए' हॉस्टल में हुई और इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में विधायक गायकवाड़ कैंटीन संचालक को फटकार लगाते हुए, बिल के भुगतान से इनकार करते हुए और 'बिलिंग काउंटर' पर बैठे कर्मचारी को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं।

बहस के बाद मारपीट

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गायकवाड़ ने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, ''मैंने दो-तीन बार पहले भी भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत की थी। लेकिन इस बार तो भोजन बिल्कुल खराब था। मैं यह मुद्दा विधानसभा के मौजूदा सत्र में जरूर उठाऊंगा।'' सूत्रों के अनुसार, मंगलवार रात को गायकवाड़ ने विधायक हॉस्टल के कैंटीन से खाना मंगवाया था। जब उनके कमरे में दाल और चावल पहुंचा, तो वह बासी और बदबूदार लगा।सूत्रों ने बताया कि इससे नाराज होकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक गायकवाड़ सीधे कैंटीन में पहुंचे और उनकी वहां प्रबंधक से तीखी बहस हुई।

अरुणाचल की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन सेः मुख्यमंत्री पेमा खांडू

इटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को चीन को करारा जवाब देते हुए कहा कि उनका राज्य चीन नहीं, तिब्बत से 1,200 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। उन्होंने चीन की बार-बार अरुणाचल पर दावा जताने की निंदा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक और भौगोलिक रूप से गलत और भ्रामक है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए खांडू ने यारलुंग त्सांगपो (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना के रूप में एक पानी बम करार दिया। पेमा खांडू ने कहा, हां, आधिकारिक रूप से अब तिब्बत अब चीन के अधीन है, लेकिन मूल रूप से अरुणाचल प्रदेश की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन से। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा कि भारत के किसी भी राज्य की सीधा सीमा चीन से नहीं लगती, बल्कि तिब्बत से लगती थी जिसे 1950 में चीन ने बलपूर्वक कब्जा कर लिया।

चीन की डैम पॉलिसी को बताया 'वॉटर बम'

पेमा खांडू ने चीन द्वारा यारलुंग त्सांगपो नदी पर बनाए जा रहे दुनिया के सबसे बड़े डैम प्रोजेक्ट को पानी का बम बताते हुए गंभीर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, चीन किसी अंतरराष्ट्रीय जल संधि का हिस्सा नहीं है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। यदि उन्होंने अचानक डैम का पानी छोड़ा, तो अरुणाचल की सियांग घाटी पूरी तरह तबाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आदि जनजाति और अन्य समुदायों पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद अरुणाचल ने सियांग अपर मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनाई है। इसका उद्देश्य चीन की गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षात्मक तैयारी करना है। उन्होंने कहा, चूंकि चीन को समझाना मुश्किल है इसलिए हमें अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी पर भी चीन को चेतावनी

चीन द्वारा दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर दखल की कोशिशों पर भी खांडू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी हाल ही में कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन बौद्ध परंपराओं के अनुसार दलाई लामा ही तय करेंगे, कोई सरकार नहीं, खासकर चीन जैसा कम्युनिस्ट शासन नहीं।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम योगी ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशेष पूजन, अनुष्ठानिक कार्यक्रम के साथ महाआरती

गोरखपुर, एजेंसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का पारंपरिक रूप से विशेष पूजन किया। उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ और योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुओं की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। सुबह पांच बजे से शुरू हुए गुरु पूर्णिमा के विशेष अनुष्ठान की पूर्णता सामूहिक महाआरती के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर स्थित सभी देव विग्रहों एवं गुरुओं की प्रतिमाओं का पूजन कर लोकमंगल की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया। मुख्यमंत्री योगी ने देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं और गुरु परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। वैसे तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है।

पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। गुरुवार को गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गुरु गोरखनाथ सहित मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। अनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। योगी परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया।

उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया।

गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना की अनुष्ठानिक प्रक्रिया संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

महिलाओं के वीडियो बनाने पर बेंगलुरु में बढ़ा बवाल, हिरासत में आरोपी गुरदीप

बेंगलुरु, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर महिलाओं की तस्वीरें और रील वायरल करने पर बेंगलुरु में विवाद बढ़ता जा रहा है। महिलाओं के विरोध के बाद पुलिस हरकत में आई है और ऐसे एक चैनल को चलाने के आरोपी गुरदीप सिंह को हिरासत में लिया गया है। 26 साल के गुरदीप पर आरोप है कि उसने बिना परमिशन के महिलाओं की तस्वीरें लीं और फिर उन्हें इंस्टाग्राम पर अपलोड किए। महिलाओं के कई वीडियो भी शेयर किए गए। इन वीडियोज और तस्वीरों को लेकर महिलाओं की आपत्ति है। महिलाओं का कहना है कि आखिर क्यों उनकी परमिशन के बिना तस्वीरें और वीडियो लिए गए और उन्हें वायरल कराया गया। यह उनकी निजता का हनन है।

आरोपी गुरदीप सिंह होटल मैनेजमेंट में ग्रैजुएशन कर चुका है, लेकिन फिलहाल वह बेरोजगार है। उसे बेंगलुरु के केआर पुरम इलाके से पकड़ा गया है, जहां वह अपने भाई के साथ रहता है। सेंट्रल बेंगलुरु में स्थित चर्च स्ट्रीट पर ये वीडियो और फोटो लिए गए हैं। इनमें बेंगलुरु की मशहूर चर्च स्ट्रीट को दिखाने की कोशिश है, लेकिन महिलाओं की आपत्ति है कि आखिर हमारी तस्वीरें और वीडियो कैसे कोई बिना परमिशन के ले सकता है। एक युवती का कहना है कि उसने जब इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें और वीडियो देखीं तो आपत्ति जताई। लेकिन उन्हें हटाया नहीं गया। युवती ने एक पोस्ट में कहा, यह शख्स चर्च स्ट्रीट पर यह कहते हुए घूमता है कि वह यहां का क्राउड दिखा रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि वह यहां पर महिलाओं को फॉलो करता है और उनके वीडियो बनाता है। तस्वीरें लेता है।

लॉर्ड्स के MCC म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग

18 साल पुरानी फोटो से बनी पेंटिंग, सचिन बोले- मेरे लिए यह सम्मान का पल

लंदन, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले लॉर्ड्स के फेमस मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब म्यूजियम में क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की एक खास पेंटिंग का उद्घाटन किया गया।

यह पेंटिंग आर्टिस्ट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने बनाई है, जो एक फोटो के आधार पर तैयार की गई है। यह फोटो उन्होंने सचिन के घर पर करीब 18 साल पहले ली थी। यह पेंटिंग इस साल के अंत तक MCC म्यूजियम में रहेगी, इसके बाद इसे लॉर्ड्स के ऐतिहासिक पवेलियन में लगाया जाएगा।

यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है- तेंदुलकर: तेंदुलकर ने इस अवसर पर कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। 1983 में जब भारत ने वर्ल्ड कप जीता था, तब मैंने पहली बार लॉर्ड्स को देखा था।

मैंने हमारे कप्तान कपिल देव को ट्रॉफी उठाते देखा था, और वहीं से मेरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई थी। आज जब मेरी पेंटिंग लॉर्ड्स के पवेलियन में लगी है, तो लगता है कि मेरी यात्रा अब पूरी हो गई है। अपने करियर को याद करता हूं तो चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। यह पल बेहद खास है। कलाकार स्टुअर्ट राइट ने कहा, MCC नहीं

चाहता था कि यह पेंटिंग भी पहले जैसी हो, इसलिए मैंने एक नया तरीका अपनाया। मैंने सचिन के चेहरे पर ध्यान केंद्रित किया और उन्हें हीरो की तरह दिखाने के लिए पेंटिंग को बड़ा आकार दिया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने हमेशा बैकग्राउंड को साधारण रखा है ताकि ध्यान सिर्फ व्यक्ति पर बना रहे। यह पेंटिंग सचिन तेंदुलकर के लंबे और गौरवशाली करियर के लिए हैं।

घिसे हुए एल्यूमिनियम से बनाया गया: पेंटिंग रिलीज में बताया गया कि जैसे-जैसे पेंटिंग पर काम आगे बढ़ा, कलाकार ने इसमें बदलाव किए और आखिर में यह अब्रेसिव एल्युमिनियम (घिसे हुए एल्यूमिनियम) पर तेल चित्र के रूप में तैयार हुई। इसका बैकग्राउंड ऐब्स्ट्रैक्ट है, जो सचिन की पुरानी बैटिंग को दर्शाता है। राइट इससे पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलिप वेंगसरकर की भी पेंटिंग बना चुके हैं।

पिछले 30 सालों से चल रहा प्रोग्राम : MCC का लॉर्ड्स पोर्ट्रेट प्रोग्राम पिछले 30 सालों से चल रहा है, लेकिन MCC ने 1950 के दशक से ही कला और ऐतिहासिक चीजें इकट्ठा करना शुरू किया था। ख्र्ख्र म्यूजियम यूरोप का सबसे पुराना स्पोर्ट्स म्यूजियम है।

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थाई रूप से निलंबित, डोप टेस्ट में विफल रहने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली , एजेंसी।

इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

रणजी हीरो गुरविंद्र टोली अपनी जमा पूंजी से बना रहे क्रिकेट का ड्रीम ग्राउंड, जीवन भर की कमाई लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

फिरकी से बल्लेबाजों को नचाने वाले पूर्व ऑफ स्पिनर गुरविंद्र सिंह टोली अब ऐसा मैदान के निर्माण में जुटे हैं, जहां भविष्य की ऐसी पौध तैयार हो जो अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमक बिखरे। पूर्व रणजी खिलाड़ी इसके लिए पांवटा साहिब के बहराल में क्रिकेट ग्राउंड का अपनी जमा पूंजी से निर्माण करवा रहे हैं। हिमाचल के पूर्व रणजी क्रिकेटर गुरविंद्र सिंह टोली का सपना देश-प्रदेश स्तरीय खिलाड़ी तैयार करना है।

इसके लिए जीवन भर की जमा पूंजी व भारी कर्ज लेकर खुद ही क्रिकेट मैदान तैयार कर रहे हैं। ये मैदान सितंबर तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा। बता दें कि पांवटा साहिब के बहराल निवासी गुरविंद्र सिंह टोली हिमाचल के सबसे सफल ऑफ स्पिनर रहे हैं। उन्होंने रणजी में 121 विकेट लिए हैं। हिमाचल की विजय हजारे विजेता और उप विजेता रहने वाली टीम के वे सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने पांवटा के एकमात्र नगर परिषद के छोटे से मैदान खेलने की शुरुआत की और रणजी तक की सफलता प्राप्त की। उन्हें बचपन से क्रिकेट का गजब जुनून है जो संन्यास के बाद भी कम नहीं हुआ है। उन्होंने 19 फरवरी 2024 को रणजी से संन्यास लिया। इसके बाद 21 जून से बहराल में क्रिकेट अकादमी शुरू की। शहर में क्रिकेट के मापदंडों अनुसार कोई मैदान नहीं है। इसे देखते हुए उन्होंने बहराल में ही अपनी 5 बीघा भूमि पर मैदान बनाना शुरू किया। इसके बाद आसपास के भूमि मालिकों से लीज पर और भूमि ली।

अब जमीन 22 बीघा हो चुकी है। बहराल में क्रिकेट मैदान तैयार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार मैदान की दोनों तरफ बीच से आमने-सामने 70-70 मीटर लंबाई है। स्कवायर बाउंड्री 58 और 60 मीटर है। टर्फ सहित चार पिच लगभग तैयार है। 10 नेट प्रेक्टिस के विकेट तैयार किए जा रहे हैं। मैदान समतल कर तैयार किया गया है। इसमें विशेष घास लगाई जाएगी। सितंबर माह तक मैदान पूरी तरह तैयार होगा।

मेजर लीग फुटबॉल में इंटर मियामी की लगातार चौथी जीत: मेसी ने दो गोल दागे, न्यू इंग्लैंड से कार्लेस ने एकमात्र गोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

लियोनल मेसी के 2 गोल की बदौलत मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी ने चौथी जीत दर्ज की है। बुधवार रात अमेरिका के गिलेट स्टेडियम में न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ इंटर मियामी ने 2-1 से जीत हासिल की। इन दो गोलों के साथ मेसी ख्र्ख्र इतिहास में लगातार चार लीग मैचों में दो-दो गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इन चारों मैचों में इंटर मियामी को जीत मिली है। अब इस सीजन में मेसी के 15 ख्र्ख्र मैचों में 14 गोल हो चुके हैं।

गोल्डन बूट की दौड़ में वो नैशविल के सैम सर्रिज (16 गोल) से पीछे हैं। पहला गोल 27वें मिनट में किया मेसी ने पहला गोल 27वें मिनट में किया, जब न्यू इंग्लैंड की डिफेंस की गलती से मिले एक हेडर को उन्होंने गोल में बदल दिया। 11 मिनट बाद मेसी ने दूसरा गोल किया, जो मैच का निर्णायक गोल साबित हुआ। उनके पुराने बार्सिलोना साथी सर्जियो बुस्केट्स ने शानदार पास दिया, जिसे मेसी ने बिल्कुल सही समय पर दौड़ लगाकर गोल में बदल दिया।

विश्व महिला कप शतरंजः

वंतिका, पद्मिनी ,नंधिधा दूसरे राउंड में , हम्पी और हारिका भी खेलेंगी दूसरा राउंड

बातुमी , जॉर्जिया, एजेंसी।

फीडे विश्व महिला कप 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबलों में भारत की तीन प्रमुख महिला शतरंज खिलाड़ियों - इंटरनेशनल मास्टर वंतिका अग्रवाल, आईएम पद्मिनी राऊत और महिला ग्रांड मास्टर नंधिधा पी वी - ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है । वहीं प्रियंका के ने हंगरी की महिला ग्रांड मास्टर गाल झोका को हराकर टाईब्रेक में प्रवेश कर दिया है । महिला ग्रांड मास्टर किरण मनीषा मोहंती पहले राउंड में बाहर होने वाली एकमात्र भारतीय रहीं।

वंतिका और नंधिधा को एकतरफा जीत

वंतिका अग्रवाल ने तुर्कमेनिस्तान की लाला शोहरादोवा के विरुद्ध मुकाबला महज 27 चालों में समाप्त कर दिया, जब लाला ने एक चाल में अपने मोहरे की बलि दे दी। नंधिधा ने इक्वाडोर की अनाही ओर्तिज वर्देजोतो को हराया, जिन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर एक चाल में स्थिति गंवा दी और मुकाबला गवां बैठीं।

भारत की पाँच बार की राष्ट्रीय विजेता पद्मिनी राऊत ने चीन की झांग लनलिन के खिलाफ सिसिलियन नजडोर्फ में लगातार दूसरे मुक़ाबले में अपना हाथी कुर्बान करते हुए जीत दर्ज की । वहीं महिला ग्रांड मास्टर प्रियंका के ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज करते हुए हंगरी की शीर्ष खिलाड़ी गाल झोका को हराया और मैच को टाईब्रेक तक खींच लिया।

राउंड 2 में भारतीय भिड़ंत

दूसरे राउंड में भारत की दो खिलाड़ी एक-दूसरे से टकराएंगी जब ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली का मुकाबला नंधिधा पी वी से होगा। वहीं अन्य मुकाबलों में जीएम कोनेरु हम्पी का सामना उज्बेकिस्तान की डब्ल्यूआईएम अफरूजा खमदामोवा से होगा, आईएम पद्मिनी राऊत का सामना जीएम अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड) से होगा, आईएम दिव्या देशमुख का मुकाबला जॉर्जिया की डब्ल्यूएफएम केसारिया म्गेलाड्ज़े से होगा और वंतिका अग्रवाल का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन जीएम अन्ना उशेनीना (यूक्रेन) से होगा।

देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे सूर्यकुमार, बुमराह-संजना ने भी लगाया ग्लैमर का तड़का

लंदन, एजेंसी।

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सबसे बड़ा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल मुकाबलों की आज से शुरुआत हो जाएगी।

इस टूर्नामेंट में फिल्म और खेल जगत के कई सितारों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। एंड्रयू गारफिल्ड और टॉम हॉलैंड से लेकर ब्रायन लारा और विराट कोहली तक इस टूर्नामेंट में शिरकत कर चुके हैं। अब बुधवार को भारत के दो और स्टार क्रिकेटर्स विंबलडन का मुकाबला देखने पहुंचे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के लिए यूरोप गए थे। जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ क्रिकेट से ब्रेक का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में वह इंग्लैंड पहुंचे। वहीं, बुमराह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। विंबलडन ने सूर्यकुमार और बुमराह का आभार भी जताया है। अब तक क्रिकेट जगत से कुल 11 सितारे विंबलडन 2025 के मुकाबले देखने पहुंच चुके हैं। इससे पहले क्रिकेट जगत से दीपक चाहर पत्नी जया भारद्वाज के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, विराट कोहली ने भी पत्नी अनुष्का के साथ विंबलडन का मुकाबला देखा था। वहीं, इंग्लैंड के सुपरस्टार जो रूट भी पत्नी कैरी कॉटरेल और जेम्स एंडरसन पत्नी डैनिएला लॉयड के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे।

वहीं, महान ब्रायन लारा भी इसमें हाजिरी लगा चुके हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज से समय निकालकर विबंलडन का लुत्फ उठाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्लेयर रैटक्लिफ भी नजर आईं। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी विंबलडन मैच देखने पहुंचे। इस दौरान वह सूट-बूट में नजर आए।

हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना की अगुआई में भारत ने खत्म किया 19 साल का सूखा

पहली बार इंग्लैंड से जीती महिला टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने 9 जुलाई 2025 की रात 2 बजे इंग्लैंड के मैनचेस्टर में इतिहास रचा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 सीरीज जीती। भारत ने मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही उसने 5 मैच की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बनाई और इतिहास रचा।

सीरीज का अंतिम टी20 मैच शनिवार 12 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में खेला जाएगा। इससे पहले भारत ने 2006 में डर्बी में खेले गए एकमात्र टी20 मैच में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी धरती पर खेली गई हर महिला टी20 सीरीज (कुल 6 श्रृंखला) में हारती रही थी। इस तरह भारत ने 19 साल का सूखा खत्म किया।

दस दिन से पहले पोलैंड रेस फतह कर जॉन ग्वाइट ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर लंबी रेस अराउंड पोलैंड बिना किसी मदद के अकेले 9 दिन 21 घंटे में पूरी कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने 274 घंटे के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और 31,000 मीटर ऊंचाई वाले चुनौतीपूर्ण रास्तों को पार किया।

भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने इतिहास रचते हुए दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) को 10 दिनों से भी कम समय में पूरा कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच डाला। ग्वाइट ने कई बाधाओं को पार करते हुए 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे में पूरी की। उन्होंने इसके लिए कुल नौ दिन और 21 घंटे का समय लिया है। ग्वाइट ने रेस पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। वह 10 दिन से कम में इस रेस को पूरा करने वाले देश के पहले साइकिलिस्ट हैं।

बिना सहायता के पूरी की रेस

ग्वाइट ने अन्य प्रतिभागियों की तरह अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। रेस के दौरान साइकिलिस्टों को कोई टीम कार या कोई बाहरी सहायता नहीं दी गई थी यह रेस इस वजह से भी कठिन हैं, क्योंकि रेस में दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए 31 हजार मीटर की ऊंचाई तक जाना होता है। यह रेस एक अन्य कठिन साइकिलिंग स्पर्धा रेस अक्रॉस अमेरिका के लिए एक क्वालिफायर इवेंट भी है।

विम्बलडन 2025 :सैमसोनोवा को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक

लंदन, एजेंसी।

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को रूस की लुडमिला सैमसोनोवा को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। नंबर 1 कोर्ट पर खेलते हुए, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार मेजर क्वार्टर फाइनलिस्ट सैमसोनोवा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। 19वीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियातेक ने रूसी खिलाड़ी पर 1 घंटा 49 मिनट तक चले

मुकाबले में जीत दर्ज की। यह उनकी सैमसोनोवा के खिलाफ लगातार 5वीं जीत है। विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में 125 सप्ताह बिताने वाली इगा स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी सक्रिय खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अलावा इस सूची में सबालेंका, विक्टोरिया अजारेंका और कैरोलिना प्लिसकोवा शामिल हैं। स्वियातेक ने चार खिताब फ्रेंच ओपन की लाल मिट्टी पर और एक यूएस ओपन की हार्ड कोर्ट पर जीता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के हार्ड कोर्ट पर भी दो बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। हालांकि, ऑल इंग्लैंड क्लब की घास वाली को?र्ट पर उनके लिए अब तक सबसे मुश्किल साबित हुई। 23 साल की पोलैंड की खिलाड़ी इस साल घास पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इस साल इस सतह पर उनका रिकॉर्ड 8-1 है। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ विंबलडन परिणाम 2023 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना था।

पीएसजी फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में, रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी।

इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। रुईज ने छठे और 24वें मिनट में दो गोल दागे। इसके अलावा डेम्बेले और रामोस ने एक-एक गोल किया।

पीएसजी की टीम फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। उसने सेमीफाइनल में स्पेन की दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए फैबियन रुईज ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। अब फाइनल में पीएसजी का सामना चेल्सी से होगा। चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 14 जुलाई को रात साढ़े 12 बजे शुरू होगा।

पीएसजी की मैड्रिड पर एकतरफा जीत

इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। टीम ने शुरू में स्पैनिश जायंट्स पर पकड़ बना ली थी। मैच के छठे मिनट में ही रुईज ने गोल दाग पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी।

फिर डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दाग बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में ही दो गोल खाने के बाद रियल मैड्रिड की टीम सकपका गई। टीम ने आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन काफी मौके गंवाए। रुईज ने फिर 24वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 3-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक पीएसजी की टीम 3-0 से आगे रही। हाफ टाइम के बाद पीएसजी ने डिफेंस पर ज्यादा ध्यान दिया। मैड्रिड की टीम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकी। 87वें मिनट में गोंकालो रामोस ने गोल दागा और पीएसजी को 4-0 से आगे कर दिया और साथ ही टीम की लगभग जीत सुनिश्चित कर दी।

कार्लो एंसेलोटी के बेटे डेविड बने बोटाफोगो के कोच

ब्राजील के क्लब बोटाफोगो ने ब्राजील राष्ट्रीय टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के बेटे को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। 35 वर्षीय डेविड एंसेलोटी को 2026 तक का अनुबंध दिया गया है। यह उनका पहला पूर्णकालिक कोचिंग अनुबंध है। बोटाफोगो के मालिक जॉन टेक्स्टर ने क्लब विश्वकप में टीम के अंतिम-16 से बाहर होने के बाद पूर्व कोच रेनाटो पाइवा को निकाल दिया था।

पेड्रो के दो गोल से चेल्सी 13 साल बाद फाइनल में

इससे पहले यूरोपीय क्लब चेल्सी 13 साल बाद क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। क्लब ने सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात दी।

इस मैच के हीरो 23 साल के जाओ पेड्रो रहे जिन्होंने चेल्सी के लिए पहली बार गोल किए। दोनों गोल उन्हीं के नाम रहे। उन्होंने पहले हाफ में 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। वहीं, 56वें मिनट पर एंजो फर्नांडिस की मदद से वह दूसरा गोल करने में सफल रहे।

यह पहली बार हुआ है जब किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में अपने पुराने क्लब (2019-2020) के खिलाफ गोल दागा है। अब चेल्सी की नजरें पहले खिताब पर होंगी क्योंकि 2012 में वह पहली बार क्लब विश्वकप के फाइनल में पहुंचकर भी ब्राजील के क्लब कुरिन्थियों से हार गया था।

आधार के नवीन नामांकन एवं अपडेशन के लिए 67 सुविधा केन्द्र संचालित

पन्ना। जिला ई-गवर्नेंस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पन्ना जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में वर्तमान में आधार संबंधी विभिन्न सेवाओं के लिए कुल 67 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक पंकज शिवहरे ने बताया कि आम नागरिक इन सुविधा केन्द्रों के जरिए आधार सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

तहसील अजयगढ़ अतंर्गत कुल 16 आधार सुविधा केन्द्र हैं, जिसके तहत सभी आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन वाले सुविधा केन्द्र क्रमश: लोक सेवा केन्द्र अजयगढ़, जनपद पंचायत अजयगढ़, उप लोक सेवा केन्द्र धरमपुर एवं खोरा शामिल हैं। इसी तरह केवल आधार में नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा के लिए विनय कम्प्यूटर बस स्टैंड अजयगढ़ एवं स्मार्ट सीएससी सेंटर पैलेस रोड अजयगढ़ में केन्द्र संचालित है, जबकि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत क्रमश: ग्राम पंचायत चंदौरा, मकरी, अजयगढ़ डाकघर, हरदी, कुंवरपुर, फरस्वाहा, लवकुशनगर, बरौली, पड़रहा एवं सब्दुआ केन्द्र शामिल हैं।

अमानगंज तहसील में 7 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले दो केन्द्र क्रमश: उप लोक सेवा केन्द्र महेबा एवं जसवंतपुरा हैं। केवल आधार में नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेशन के लिए गुनौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महेबा में केन्द्र संचालित है, जबकि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत महेबा, अमानगंज, पिपरवाहा और झरकुआंखुर्द में केन्द्र का संचालन हो रहा है।

गुनौर तहसील में 16 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। जिसके तहत समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले दो केन्द्र क्रमश: लोक सेवा केन्द्र गुनौर एवं उप लोक सेवा केन्द्र गंज हैं। केवल आधार में नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेशन के लिए सीएससी सेंटर प्रबल कम्प्यूटर सलेहा ग्राम पंचायत गुनौर, मिश्रा कम्प्यूटर पुराना बस स्टैड नगर परिषद गुनौर में केन्द्र संचालित है। जबकि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत पोस्ट ऑफिस पड़ेरी, बकुल्हा में तीन केन्द्र, अंतर बिजिया में दो केन्द्र, सेल्हा में एक, धनोखर में तीन केन्द्र संचालित हैं। 18 वर्ष से कम आयु के नवीन आधार एवं सभी आयु के आधार अपडेट हेतु स्टेट बैंक गुनौर में केन्द्र संचालित है। देवेन्द्रनगर तहसील में 6 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले दो केन्द्र क्रमश: डाकघर देवेन्द्रनगर, लोकसेवा केन्द्र देवेन्द्रनगर हैं। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरवाही, डडवरिया, बड़ागांव, सुंदरा केन्द्र संचालित हैं।

पन्ना तहसील में 10 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले केन्द्र क्रमश: मुख्य डाकघर पन्ना, लोक सेवा केन्द्र पन्ना एवं कृषि उपज मंडी पन्ना में केन्द्र संचालित है। 18 वर्ष से कम आयु के नवीन आधार एवं सभी आयु के आधार अपडेट हेतु सीएससी अंतर्गत केन्द्र बेनीसागर पन्ना में दो केन्द्र संचालित हैं। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां एनएमडीसी, रमखिरिया, सिंहपुर व बृजपुर में केन्द्र संचालित है।

पवई तहसील में 5 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। जिसके तहत समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले तीन केन्द्र क्रमश: जनपद पंचायत पवई, जल संसाधन कार्यालय पवई, उप लोक सेवा केन्द्र मुड़वारी में संचालित है। केवल आधार में नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेशन के लिए सीएससी अंतर्गत टिकरिया देवरी में संचालित है, जबकि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग के अंतर्गत बस स्टैंड कृष्णगढ़ में केन्द्र संचालित है।

रैपुरा तहसील में 3 आधार सुविधा केन्द्र संचालित हैं। जिसके तहत समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा वाले दो केन्द्र क्रमश: लोक सेवा केन्द्र रैपुरा, तहसील कार्यालय रैपुरा में संचालित है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत रैपुरा में केन्द्र संचालित है। शाहनगर तहसील में 1 आधार सुविधा केन्द्र संचालित है। जिसके तहत समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा हेतु लोक सेवा केन्द्र शाहनगर में संचालित है।

सिमरिया तहसील में 3 आधार सुविधा केन्द्र संचालित है। जिसके तहत समस्त आयु वर्ग के नवीन आधार नामांकन और अपडेशन की सुविधा हेतु लोक सेवा केन्द्र सिमरिया में संचालित है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नवीन आधार और केवल मोबाईल नंबर अपडेशन के लिए डाक विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहन्द्रा में संचालित है। 18 वर्ष से कम आयु के नवीन आधार एवं सभी आयु के आधार अपडेट हेतु स्टेट बैंक सिमरिया में केन्द्र संचालित है।

किसी भी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए आधार नामांकन पूर्णत: नि:शुल्क है। बायोमैट्रिक अपडेट के लिए 100 रूपए शुल्क निर्धारित है। 05 से 07 वर्ष की आयु अथवा 15 से 17 वर्ष की आयु में एक बार बायोमैट्रिक अपडेशन भी नि:शुल्क है। इसी तरह पृथक से डेमोग्राफिक अपडेशन पर 50 रूपए का शुल्क निर्धारित है। बायोमैट्रिक अपडेट के साथ डेमोग्राफिक अपडेट कराने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसी तरह आधार केन्द्र पर 50 रूपए शुल्क देकर दस्तावेज अपडेशन भी कराया जा सकता है। माय आधार पोर्टल पर 14 जून 2026 तक डाक्यूमेंट अपडेट कराने की नि:शुल्क सुविधा भी उपलब्ध है।

चलती बस में युवती से दुष्कर्म

जिसे जीजा कहती थी पीड़िता उसी ने इज्जत कर दी तार-तार

मैहर। कटनी से रीवा जा रही एक स्लीपर बस में एक युवती के साथ जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। सफर के दौरान युवती के दूर के रिश्तेदार, जो उसका जीजा लगता था, ने पहले उसे डरा-धमकाया और फिर चलती बस में उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता हैदराबाद जाने के लिए आरोपी के साथ निकली थी। लेकिन रास्ते में, कटनी पहुंचने पर उसे परिवार की चिंता सताने लगी। उसने वापस रीवा लौटने का फैसला किया। इसी वापसी के दौरान, जब वे हइ-30 पर चलती स्लीपर बस में थे, तब आरोपी ने उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला। डरी-सहमी युवती किसी तरह रीवा स्थित अपनी बहन के घर पहुंची। वहां जाकर उसने हिम्मत जुटाई और अपनी आपबीती बताई। सुनकर परिजन स्तब्ध रह गए। तुरंत मामले की शिकायत सिविल लाइन थाना, रीवा में दर्ज कराई गई। जांच में सामने आया कि आरोपी अजीत तिवारी, जो मझौली, जिला सीधी का निवासी है, युवती को हैदराबाद ले जा रहा था। पर जब युवती ने घर लौटने की इच्छा जताई, तो अजीत ने बस में युवती से दुष्कर्म किया। मामला अमरपाटन थाना क्षेत्र में ट्रांसफर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक मैहर, सुधीर अग्रवाल ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उसे गिरफ़्तार किया जाएगा।

एसबीआई अमानगंज शाखा ग्रामीण विकास की प्रेरणा बनी : पाण्डेय

पन्ना। ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग सुविधाओं की सहज पहुँच आज भी एक चुनौती बनी हुई है, किंतु भारतीय स्टेट बैंक की अमानगंज शाखा ने अपने सेवा भाव, समर्पण और संवेदनशीलता से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ, पन्ना के जिला प्रवक्ता डॉ. एम.पी. पाण्डेय ने अमानगंज एसबीआई शाखा की कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे बैंक कर्मी वास्तव में समाज के सच्चे भागीदार हैं जो सिर्फ वित्तीय लेन-देन तक सीमित न रहकर जनकल्याण को अपनी सेवा का उद्देश्य बनाते हैं। डॉ. पाण्डेय ने मुख्य शाखा प्रबंधक संतोष कुमार, फील्ड ऑफिसर विवेक कुमार, और प्रशासनिक अधिकारी भूपेश लखेरा की कार्यनिष्ठा की विशेष सराहना की और कहा कि इनकी सक्रिय भूमिका से 128 से अधिक गाँवों के हजारों ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा, पेंशन, किसान सम्मान निधि, श्रमिक कार्ड भुगतान जैसी सेवाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं।उन्होंने आगे कहा कि एसबीआई अमानगंज की शाखा ने बैंकिंग को सिर्फ लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि एक सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण बना दिया है। डॉ. पाण्डेय ने बैंक स्टाफ की तत्परता, अनुशासन और जनसेवा भावना को आदर्श बताते हुए राज्य शासन, जिला प्रशासन एवं बैंक प्रबंधन को धन्यवाद दिया और ऐसे सेवाभावी संस्थानों को निरंतर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

लगातार भारी बारिश से नदी नाले उफान पर

पन्ना। लगातार बारिश होने से जनजीवन अस्त व्यस्त है तथा नदी नाले उफान पर चल रहे हैं नदी नालों के ऊपर बने रिपटो के ऊपर पानी आ गया है जिससे लोगों को आने जाने में भारी परेशानी हो रही है तथा उनके ऊपर से निकलने वाले लोग दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं जिले के बृज पुर रोड में इटावा खास के पास नाले के ऊपर बने रिपटोसे निकलने वाले वाहन अवरोध हो रहे हैं इसके अलावा मड़ला के पास हरसा बागोहा जाने के भी रिपटा पार करना पड़ता है उसके ऊपर भारी पानी आ गया है उसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर निकल रहे रहे हैं इसी दौरान एक मोटरसाइकिल चालक बह गया बड़ी मुश्किल के बाद लोगों द्वारा उसे बचाया गया पूरे जिले में लगातार बारिश से जहां एक ओर किसानों की बुवाई नहीं हुई है वहीं दूसरी ओर भारी बारिश का कहर चल रहा है।

हरसा बगौहा का शिवराज नाला पार करते समय बहने लगा बाइक सवार

ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर बचाया. 108 एंबुलेंस भी फंसी

बरसात में मुसीबत बने बिना पुलिया के नाले पन्ना टाइगर रिजर्व के हस्तक्षेप के चलते नहीं हो पा रहा निर्माण

पन्ना। टाईगर रिज़र्व अंतर्गत हरसा बगौहां नाला पार करते समय आज 9 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 11 बजे बाइक सवार अचानक पानी के तेज बहाव में बहने लगा जिसे मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा जान जोखिम में डालकर बचाया गया है। इस दौरान सैकड़ों लोगों के साथ 108 एंबुलेंस भी फंसी रही, बताया गया है कि विगत तीन दिनों से लगातार रुक-रुक हो रही बारिश के कारण हरसा बगौहां मार्ग के सभी 11 नाले उफान पर हैं। 8 छोटे नाले तो लोग किसी तरह पार कर लेते हैं लेकिन शिवराज नाला, बलैया नाला और कुंडा नाला पार करना मुश्किल होता है। पन्ना टाइगर रिजर्व के हस्तक्षेप के कारण आजादी के 78 सालों बाद भी हरसा बगौहां मार्ग में पक्की सड़क और नालों में पुलिया का निर्माण नहीं हो पा रहा है। कुछ समय पूर्व यह सड़क स्वीकृत हुई थी काम भी शुरू हुआ लेकिन पन्ना टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के द्वारा ठेकेदार के जेसीबी व डंफर जप्त कर लिए जाने से काम फिर रुक गया जिससे इस मार्ग पर पड़ने वाले दर्जन भर से अधिक ग्रामों के लोगों को इस आधुनिक युग में भी

आवागमन में मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। उक्त मार्ग के दर्जन भर ग्रामों में अधिकांश कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय से जुड़े लोग रहते हैं जो अपने उत्पाद पन्ना पहुंच कर बेंचते हैं लेकिन बरसात के दिनों में नाले उफान पर होने के कारण वह पन्ना नहीं जा पाते। यह लोग किसी तरह बरसात में यह घाटा सह लेते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के बीमार होने या किसी गर्भवती महिला को उपचार की आवश्यकता होने पर उसे अस्पताल ले जाना मुश्किल होता है क्योंकि यहां डायल हंड्रेड और 108 एंबुलेंस जैसे इमरजेंसी वाहन पहुंचना भी मुश्किल होता है। नालों में पानी कम होने पर लोग चारपाई या फिर कंधों पर उठाकर मरीज को नाला पार कराते हैं ऐसा करते समय कई बार लोग नाले में बह चुके हैं। जैसा कि पिछली बार एक बीमार महिला को नाला पार कराते समय महिला सहित कुछ लोग तेज बहाव में बह गए थे जिन्हें बड़ी मुश्किल से बचाया गया, हर साल होने वाली इन समस्याओं एवं घटनाओं को जिम्मेदारों के द्वारा अनदेखा किया जा रहा है जिससे समस्या बरकरार बताई जा रही।

छात्रावासों में स्वीकृत सीट के विरूद्ध विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों की ली बैठक, साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में दिए निर्देश

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में जिले के समस्त शासकीय छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों की बैठक ली। इस मौके पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के बालक एवं कन्या छात्रावासों में स्वीकृत सीट संख्या के विरूद्ध पात्र विद्यार्थियों का शत प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला संयोजक आर.के. सतनामी एवं

क्षेत्र संयोजक जय प्रताप भदौरिया भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में कहा कि सभी छात्रावासों में रिक्त सीट की उपलब्धतानुसार प्रवेश से वंचित व छूटे हुए जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के दाखिले के संबंध में जारी निर्देशों का पालन कर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर जिम्मेवारी के साथ कार्य करें। छात्रावासों में छोटे-छोटे कार्यों जैसे शौचालय एवं स्नानागार की साफ-सफाई, छत एवं फर्श तथा विद्युत मरम्मत इत्यादि को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाए। विद्यार्थियों को सुविधाजनक माहौल में अध्ययन की सुविधा के दृष्टिगत वृहद कार्यों के संबंध में शैक्षणिक संस्था प्रमुख के माध्यम से जरूरी प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि कुछ नवीन छात्रावासों में वर्षाकाल में पहुंच मार्ग की स्थिति की जानकारी भी प्रस्तुत करें। इसके अलावा गत वर्ष में छात्रावासों को प्रदत्त राशि से कराए गए कार्यों का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी तत्काल प्रस्तुत करने के लिए कहा।

जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी अधीक्षक बरसात में छात्रावास भवन के छत व दीवार का निरीक्षण कर बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक उपाय करें एवं सावधानी बरतें।

पानी में डूबने से आठ वर्षीय बालक की मौत

सलेहा उप स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा न होने के कारण नहीं मिलता है इलाज

पन्ना। सलेहा थाना अन्तर्गत ग्राम भमरहा के निवासी बाबूलाल वर्मा का आठ वर्षीय पुत्र विकास वर्मा खेलते खेलते घर से लगभग दूरी पर चला गया जहां पानी से भरे गड्ढे मैं गिर गया। गड्ढे में पांच फुट पानी भरा था साथ में रहे बच्चों ने घटना की सूचना बच्चों के परिजनों एवं ग्रामीणों को दी ग्रामीणों ने थाना सालेहा में जाकर बच्चों को मौका स्थल से निकला बच्चा अचैत अवास्था में था सांसें चल रही थी मगर तत्काल ग्रामीण और परिजन सलेहा अस्पताल लाए। लेकिन स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर ना होने से इलाज नहीं मिला जिससे उसकी मृत्यु हो गई। बच्चे को हमलोग ग्रामीणों के साथ जिंदा लाए थे मगर यहां किसी ने नहीं देखा डॉक्टर नहीं है ना हमें एंबुलेंस मिली केसरवानी जी आए थे कह रहे थे गुनौर या देवेन्द्रनग में दिखा लो हमें अनुभव नहीं है मृत है या जिंदा है। फार्मासिस्ट मनोज केसरवानी। मैं बताया कि एक 8 वर्षीय बालक पानी में डूब गया था जिसे स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था जब हमने उसे दिखा तो उसकी मृत्यु हो चुकी थीं।

देश व्यापी हड़ताल कर सौपे ज्ञापन

पन्ना। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार पूरे देश में विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्व्यापी हड़ताल की गई जिसमें कर्मचारियों ने विभिन्न मुद्दों का उल्लेख करते हुए ज्ञापन भी सौंपे है इसी कड़ी में पन्ना जिले में भारतीय जीवन बीमा निगम संगठन के द्वारा तालाबंदी करते हुए ज्ञापन सोपा है।

दिनेश तिवारी पर फर्जी दस्तावेजों से नौकरी करने का आरोप, विभाग ने कार्यवाही करते हुए सागर किया अटैच

अमानगंज नगर परिषद में स्थानांतरित होकर आए मुख्य नगर पालिका अधिकारी

पन्ना। राजनगर नगर परिषद में पदस्थ रहे पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश तिवारी का स्थानांतरण नगर परिषद अमानगंज के लिए किया गया था लेकिन उसके पूर्व ही उन पर विभाग को गलत जानकारी देकर सेवा अवधि बढ़ाने और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, दिनेश तिवारी ने अपने आधार कार्ड और पैन कार्ड में दर्ज जन्मतिथि में हेरफेर कर विभाग को गुमराह किया

आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, दिनेश तिवारी का जन्म नवंबर 1961 में हुआ है, जिसके आधार पर उनका सेवानिवृत्ति वर्ष 2023 होना चाहिए था। लेकिन उन्होंने अपनी सेवा पुस्तिका में गलत जानकारी देकर सेवानिवृत्ति की अवधि 2029 तक बढ़ा ली थी। मामले की शिकायत मिलने के बाद विभाग द्वारा जांच कराई गई जिसमें आरोप सही पाए गए।

जांच रिपोर्ट के आधार पर दिनेश तिवारी को सेवा से हटा दिया गया है और उन्हें राजनगर नगर परिषद से रिलिव कर दिया गया है। साथ ही सागर अटैच कर दिया गया है। संचालनालय नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े द्वारा 27 जून को जारी किए गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि श्री तिवारी के दस्तावेजों में जन्मतिथि 17 जून 1961 दर्ज है जिसके अनुसार इन्हें 30 नवंबर 2023 को सेवानिवृत्ति हो जाना चाहिए था लेकिन इन्होंने कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर जन्मतिथि बढ़कर सेवानिवृत्ति की आयु 2029 कर ली गई जबकि प्रथम पद स्थापना 1987 में हुई थी।

जिले में नदी नाले उफान पर, अधिकारियों ने किया पर्यटन स्थलों का निरीक्षण

पन्ना

जिले में चल रही बारिश बारिश के दौर में नदी नाले जलप्रपात अपने पूरे सवाब पर हैं। जिसके तहत कलेक्टर पन्ना सुरेश कुमार के निर्देशन में राजस्व अधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा ऐसी चिन्हित जगह पर निरीक्षण कर आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। आज सुबह राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम पन्ना नगर बाईपास के समीप स्थित जलप्रपात कुंड का निरीक्षण करने पहुंचे और वहां सुरक्षा व्यवस्था के आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इस टीम में एसडीएम पन्ना संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार प्रेम प्रजापति, टीआई कोतवाली रोहित कुमार मिश्रा दलबल के

साथ मौके पर पहुंच कर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आमजनों से जल स्त्रोतों के निकट नहीं जाने, कम से कम सुरक्षित दूरी बनाए रखने, मौसम से संबंधित आपात स्थिति में सावधानी बरतने और जिला प्रशासन के निर्देशों को पालन करने की बात कही।

मौसम विभाग की ओर से राज्य में संभावित भारी बारिश की चेतावनी के बाद जिला प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। जिसके तहत विभिन्न जल स्त्रोतों, पर्यटक स्थलों और गहरे जलाशयों का औचक निरीक्षक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। वहीं आकस्मिक परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्य को लेकर भी निर्देश दे रहे हैं।

बारिश के मौसम में प्राकृतिक नजारों की तलाश में युवा जलप्रपातों का रुख कर रहे हैं, लेकिन यह रोमांच जानलेवा साबित हो रहा है। जलप्रपातों पर भीड़ बढ़ रही है, जहां फिसलन भरे पत्थरों और खड़ी ढलानों के बीच लोग जोखिम उठाकर रील और सेल्फी ले रहे हैं। इसी वर्ष की बात करें तो इन जलप्रपातों में गिरकर कई लोगों की मौत हो चुकी है। ऊपर से लगभग हजारों फीट नीचे गिरता जलप्रपात अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है, लेकिन इसकी खूबसूरती के साथ खतरा भी जुड़ा है।

पथरीली सतह पर बारिश से काई जम गई है, जिससे फिसलन और बढ़ गई है। इसके बावजूद युवा कगार तक जाकर फोटो खिंचवाने से नहीं चूकते। यहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं होते हैं हालांकि प्रशासन द्वारा कई जगहों पर चेतावनी बोर्ड, रेलिंग बनवाई गई है, लेकिन देखा गया है कि लोग इनको अनदेखा करते हुए जलप्रपात के नजदीक से नजदीक पहुंचने की रोड में रहते हैं और हादसे को न्योता देते हैं। सावधानी हटी दुर्घटना घटी लोगों को इस स्लोगन का ध्यान रखते हुए ही ऐसी जगह में पूरे धैर्य के साथ आनंद लेना चाहिए।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 11 जुलाई 2025

रीवा में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की बैठक होटल सेलिब्रेशन रीवा में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में एपीडा प्राधिकरण के सदस्य होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी सम्मिलित हुए।

जिला खनिज मद से 12.22 करोड़ की प्रस्तावित कार्ययोजना को दी गई मंजूरी

जिला खनिज मद से अधूरे आंगनवाड़ी केन्द्र भवनों तथा वृक्षारोपण के लिए राशि मंजूर

रीवा

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में जिला खनिज मद से 12 करोड़ 22 लाख रुपए के प्रस्तावित निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई। बैठक में पूर्व में मनरेगा के कन्वर्जेंस से अधूरे पड़े आंगनवाड़ी केन्द्र भवनों को पूरा कराने तथा वृक्षारोपण के लिए भी राशि मंजूर की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें उच्च प्राथमिकता के कार्यों में 60 प्रतिशत तथा प्राथमिकता के कार्यों में 40 प्रतिशत का अनुपात रखा गया है। शासन द्वारा जारी नई गाइडलाइन के अनुसार प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल व्यवस्था, अधोसंरचना विकास तथा दिव्यांगों के कल्याण के प्रस्ताव शामिल हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 मोटराइज्ड तिपहिया साइकिल देने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

बैठक में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि सबका उद्देश्य आमजनता का कल्याण करना है। सबकी सहमति से जिले के विकास से जुड़े कार्य खनिज मद से स्वीकृत किए जा रहे हैं। विधायक सेमरिया श्री अभय मिश्रा ने स्कूल भवनों तथा छात्रावासों में सुधार के कार्य एवं दिव्यांगों को मोटराइज्ड तिपहिया साइकिल देने का सुझाव दिया। बैठक में सिरमौर के लिए एंबुलेंस एवं जनरेटर सेट की राशि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रदान करने तथा 47 अधूरे आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए एक करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास भवनों में सुधार के कार्य विभागीय मद से प्रस्तावित करें। खनिज मद से आवंटित राशि का उपयोग करके कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा अन्य निर्माण एजेंसियाँ शेष कार्य शीघ्र पूरा करें।

बैठक में परियोजना अधिकारी जिला पंचायत संजय सिंह ने बताया कि योजना प्रारंभ से अब तक जिला खनिज मद से कुल 125 करोड़ सात लाख की कार्ययोजना अनुमोदित हुई है। इसमें से 116 करोड़ 57 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इससे स्वीकृत 712 निर्माण कार्यों में से 225 पूरे हो गए हैं। 23 कार्य अलग-अलग कारणों से निरस्त कर दिए गए हैं। शेष जारी 464 कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरे करा लिए जाएंगे। खनिज मद से मऊगंज जिले की राशि अब पृथक से जारी होगी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, विधायक प्रतिनिधि सिरमौर श्री भूपेन्द्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि गुढ़ ने कई उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, समिति के सभी सदस्य तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन

रीवा। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि माना गया है। इसी परंपरा को पुनः सजीव करते हुए अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में गुरुपूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर एक गरिमामय एवं वैचारिक दृष्टि से समृद्ध सांस्कृतिक-साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राजेन्द्र कुमार कुंडरिया की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) श्री राजेश सिंह, तथा मुख्य वक्ता के रूप में कृषि महाविद्यालय से आमंत्रित विद्वान प्रो. रघुराज किशोर तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच पर कुलसचिव प्रो. सुरेन्द्र सिंह परिहार सहित अन्य विशिष्टजन भी विराजमान रहे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सभागार प्रो. वी.सी. सिन्हा हॉल में सम्पन्न हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान, प्रशासनिक अधिकारी, नवागंतुक छात्र-छात्राएँ तथा कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समग्र परिसर में उल्लास, आस्था एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण व्याप्त था। गुरुपूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष संदेश के वर्चुअल प्रसारण से हुआ, जिसमें उन्होंने शिक्षा, संस्कृति और गुरु-शिष्य संबंधों की महत्ता को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री महोदय के संदेश ने उपस्थित श्रोताओं को प्रेरणा प्रदान की और आयोजन के उद्देश्य को एक गूढ़ आध्यात्मिक संदर्भ प्रदान किया।

रीवा को हरा-भरा बनाने के लिये होगा वृहद वृक्षारोपण

कलेक्टर ने पौधारोपण स्थल का किया निरीक्षण

रीवा

रीवा को शहर को हराभरा बनाने के लिये वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है। शहर में विभिन्न रिक्त भूमियों में वृहद पैमाने पर तथा सड़कों के किनारे वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा है। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पीछे नदी के किनारे रिक्त भूमि में 40 हजार पौधे लगाये जायेंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल स्थल निरीक्षण किया तथा सभी तैयारियों पूर्ण करने के निर्देश दिये।

स्थल निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि भूमि के समतलीकरण के पश्चात गढ्डे खोदकर सभी आवश्यक तैयारियों सुनिश्चित करें तथा वृहद वृक्षारोपण के उपरांत इसकी सुरक्षा की भी व्यवस्था करें। उन्होंने बनिया तालाब के किनारे वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाकर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ल सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा संभाग में अब तक 311 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। रीवा संभाग में एक जून से अब तक 311 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। संभाग में 10 जुलाई को 19 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 46 मिलीमीटर वर्षा मैहर जिले में दर्ज की गई। संभाग में एक जून से अब तक सर्वाधिक 505 मिलीमीटर वर्षा मऊगंज जिले में दर्ज की गई है। संभाग में इस अवधि में रीवा जिले में 171.6 मिलीमीटर, सतना में 253.6 मिलीमीटर, मैहर में 285 मिलीमीटर, सीधी में 356 मिलीमीटर तथा सिंगरौली जिले में 293.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में संभाग में 149 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। संभाग की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1090.3 मिलीमीटर है।

निराश्रित गौवंशों को सड़कों से हटाकर भेजा जा रहा गौशाला

रीवा। बारिश के समय सूखे स्थान की तलाश में बड़ी संख्या में निराश्रित गौवंश तथा अन्य पशु सड़कों पर डेरा जमा लेते हैं। इनके कारण एक ओर जहाँ आवागमन में बाधा होती है वहीं दूसरी ओर कई बार गंभीर सड़क दुर्घटना होने पर जनधन के साथ-साथ पशुओं की भी हानि होती है। इसे रोकने के लिए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी एसडीएम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, उप संचालक पशुपालन तथा निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में व्यवस्थित कराने के साथ-साथ गौवंश को निराश्रित छोड़ने वालों पर एक हजार का जुर्माना लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके परिपालन में सिरमौर एसडीएम पीके पाण्डेय तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने नगर परिषद सिरमौर के निराश्रित गौवंशों को हांका गैंग से पकड़वाकर गौशालाओं में भिजवाया। नगर परिषद अध्यक्ष संदीप सिंह तथा पार्षदगणों ने भी इस कार्य में सहयोग किया। सिरमौर नगर परिषद क्षेत्र के जयस्तंभ चौक, रीवा रोड, चचाई रोड, क्योटी रोड तथा शासकीय कार्यालयों के परिसर में विचरण कर रहे पशुओं को गौशाला तक पहुंचाया गया। सड़कों से निराश्रित गौंवश को हटाने के अभियान के तहत नगर पंचायत बैकुंठपुर में मुख्य मार्गों से लगभग 50 गौवंश को हटाकर गौशालाओं में भेजा गया। गौशालाओं में इनके चारा, भूसा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। मनगवां में एसडीएम संजय जैन ने नगर परिषद के कर्मचारियों के सहयोग से गौवंश को हाईवे से हटाकर कृषि उपज मण्डी परिसर भिजवाया गया। इनके चारे और भूसे की व्यवस्था की गई। गौवंश को दुर्घटना से बचाने के लिए उनकी सींगो पर रेडियम टेप लगाए गए। जनपद पंचायत गंगेव के कर्मचारियों द्वारा प्रयागराज मार्ग में कलवारी मोड़ पर कई गौवंश को हाईवे से हटाकर गौशाला भेजा गया। साथ ही निराश्रित पशुओं के सींग में रेडियम टेप लगाए गए। नगर परिषद सेमरिया में भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नगर परिषद के कर्मचारियों के सहयोग से निराश्रित गौवंश को सड़कों से हटाकर गौशालाओं में सुरक्षित और व्यवस्थित कराया।

प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याख्याताओं से 25 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

रीवा। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र रीवा में प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याखाताओं से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र में अनुसूचित जाति तथा जनजाति के अभ्यर्थियों को राज्य सिविल सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी तथा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए योग्य एवं अनुभवी व्याख्याताओं से आगामी 25 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक आवेदक अपने आवेदन पत्र शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र केन्द्र के ईमेल पीईटीसीआईडब्ल्यूए एट द रेट जीमेल डॉट कॉम अथवा रजिस्टर्ड डाक से भी भेजा जा सकता है।

प्राचार्य ने बताया कि आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में अध्यापन किए जाने विषय एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षा का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। आवेदक संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हो अथवा किसी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहाँ से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय का सदस्य रहा हो। अतिथि व्याख्याताओं के चयन के लिए गठित समिति द्वारा व्याख्याताओं का पैनल तैयार किया जाएगा। अतिथि व्याख्याताओं को समय-समय पर आयोजित होने प्रशिक्षण में उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में प्रतिकालखण्ड के लिए 800 रुपए मानदेय निर्धारित है। एक कालखण्ड कम से कम 90 मिनट का होगा।

कमिश्नर आज करेंगे रेल परियोजना की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में 11 जुलाई को सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन के सतना से सिंगरौली खण्ड के निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में मुख्य वन संरक्षक, संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा वनमण्डल अधिकारी एवं रेल परियोजना से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने कंट्रोल रूम में उपस्थित न होने वालों को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्ट्रेट कार्यालय में बाढ़ आपदा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में महत्वपूर्ण सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम में 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं। कंट्रोल रूम में तैनात होने के आदेश का उल्लंघन करने पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 6 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। इनके द्वारा कंट्रोल रूम में उपस्थिति न देकर आदेश की अवहेलना करने तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत नोटिस दिया गया है। कलेक्टर ने सहायक मानचित्रकार घनश्याम शुक्ला, सहायक ग्रेड तीन पवन चौधरी, फोटोकॉपियर रामचन्द्र प्रसाद, चैनमैन चन्द्रमणि सेन, सहायक वर्ग तीन मयंक पटेल तथा अनुरेखक कृष्णधर द्विवेदी को कारण बताओ नोटिस दिया है।

रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी एम.बी. ओझा द्वारा दुर्गा महिला प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्यादित वार्ड क्रमांक 22 रीवा के संचालक मंडल के सदस्यों व अन्य पदाधिकारियों को अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु उप अंकेक्षक शिवम अहिरवार तथा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित वार्ड क्रमांक 29 को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

गुरू के सम्मान और उनके ज्ञान के प्रति आभार प्रकट करने का पावन पर्व है गुरू पूर्णिमा : जैन

रीवा। गुरू पूर्णिमा हिंदू धर्म में गुरु के सम्मान और उनके ज्ञान के प्रति आभार प्रकट करने का पावन पर्व है। यह दिन महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने वेदों का संकलन किया। यह पर्व आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक उन्नति का प्रतीक है। गुरू पूर्णिमा न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन का भी अवसर होता है। यह पर्व गुरू और शिष्य के बीच विश्वास और समर्पण के अटूट बंधन को दर्शाता है। उक्त उदगार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरॉव में गुरू पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य आर के जैन ने व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व अतिथि रामरूप मिश्रा ने कहा कि गुरू पूर्णिमा केवल वेदव्यास जी का जन्मदिन नहीं, बल्कि जीवन में गुरू की भूमिका को समझने और उनका आभार व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण दिन है, जो हर किसी को ज्ञान, अनुशासन और आत्मिक प्रगति की ओर प्रेरित करता है । कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती अदिति पाठक ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों व विद्यालयों में 9 एवं 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा उत्सव आयोजित किये जाने का कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसमे छात्र, छात्राओं की विशेष सहभागिता में छात्रों के मध्य निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अनीता शर्मा, वरिष्ठ शिक्षक एम डी सिंह, भागवत प्रसाद पाण्डेय, अमरजीत पाण्डेय, श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी ने छात्रों के मध्य अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन शिक्षक विद्यामणि शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जीत नारायण चतुर्वेदी, विजय पाल सिंह, शान्ति गुप्ता तथा विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 6 अधिकारियों को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत चिन्हित सेवाएं समय सीमा में उपलब्ध न कराने पर 6 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर अर्थदण्ड की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने सीएमओ गोविंदगढ़ को जन्म प्रमाण पत्र न देने तथा सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा को आवेदक की आयु का चिकित्सकीय सत्यापन न करने पर नोटिस दिया है। कलेक्टर ने सीएमओ सेमरिया सुषमा मिश्रा को समय सीमा में विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी न करने तथा सीएमओ त्योंथर अजय कुमार पाण्डेय को राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि जारी न करने पर नोटिस दिया है। जेई श्रीमती शीया तिवारी को मीटर संबंधी शिकायत का निराकरण न करने तथा सीएमओ मनगवां हेमंत त्रिपाठी को समय पर नल कनेक्शन न देने पर नोटिस दिया है।

जिले में अब तक 171.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में एक जून से अब तक 171.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 192.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 127.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 296 मिलीमीटर, सिरमौर में 224.2 मिलीमीटर, त्योंथर में 67 मिलीमीटर, सेमरिया में 175 मिलीमीटर, मनगवां में 160 मिलीमीटर तथा जवा में 130 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833